मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 37
अंक : 69
भोपाल, शनिवार
25 अप्रैल 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1रु.

03 प्रदेश में सहकार से हो रहा है डेयरी गतिविधियों का विस्तार

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

मिश्रित स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण... 06

निगम-मंडलों में नियुक्ति के लिए 20 नामों पर बनी सहमति

ग्वालियर विकास प्राधिकरण में मधुसूदन और नागरिक आपूर्ति में केपी यादव का नाम तय

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश की बीजेपी सरकार में निगम-मंडल और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियों की लिस्ट जल्द जारी हो सकती है। 20 से ज्यादा नामों पर सहमति बन चुकी है। जिसमें ग्वालियर विकास प्राधिकरण (जीडीए) के अध्यक्ष के रूप में मधुसूदन भदौरिया का नाम तय माना जा रहा है, जबकि उपाध्यक्ष के लिए सुधीर गुप्ता और वेदप्रकाश शिवहरे के नाम हैं।

वहीं मप्र नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष केपी यादव (पूर्व सांसद) बनाए जा सकते हैं। उपाध्यक्ष के रूप में संजीव कांकर का नाम चल रहा है। बीजेपी सूत्रों ने बताया कि विंध्य विकास प्राधिकरण में पांचूलाल प्रजापति, अपैक्स बैंक में महेंद्र सिंह यादव और मप्र वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन में संजय नगाइच के नाम लगभग तय बताए जा रहे हैं। ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक जादौन और उपाध्यक्ष उदयवीर सिंह की घोषणा हो चुकी है। मछुआ कल्याण बोर्ड में महेश केवट को अध्यक्ष बनाया गया है।

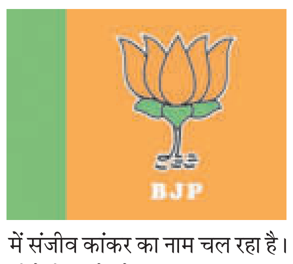

केशव सिंह बघेल को मिली बड़ी जिम्मेदारी

ग्वालियर ग्रामीण के नेता केशव सिंह बघेल को राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम का अध्यक्ष बनाया गया है। वे बसपा और कांग्रेस से होते हुए बीजेपी में आए थे। अन्य संभावित नामों में महाराणा प्रताप कल्याण बोर्ड के लिए केशव भदौरिया, अमरकंटक विकास प्राधिकरण के लिए राजेंद्र भारती और पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम के लिए राममोहन बघेल शामिल हैं।

भोपाल-इंदौर प्राधिकरण के नाम फिलहाल होल्ड

सूत्र बताते हैं भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) और इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष को लेकर काफी खींचतान मची है। इसलिए इन दोनों शहरों के प्राधिकरण में नियुक्ति को फिलहाल होल्ड कर दिया गया है। बताते हैं इन पर शीर्ष नेतृत्व के बीच एक और दौर की चर्चा होनी है।

सीएम की पहल: आदिवासी व ग्रामीण जिलों में पहली पोस्टिंग

2025 बैच के 8 युवा आईएएस अधिकारियों को बनाया गया सहायक कलेक्टर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवा प्रशासकों को जमीनी स्तर पर अनुभव देने के लिए एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश सरकार ने 2025 बैच के 8 युवा ड्ठ्स अधिकारियों की पहली पदस्थापना आदिवासी बहुल और कम विकसित ग्रामीण जिलों में सहायक कलेक्टर के रूप में की है।

इस फैसले को 'जमीनी प्रशासन की सच्ची पाठशाला' बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.

मोहन यादव का मानना है कि युवा अधिकारी जब शुरुआत से ही आदिवासी क्षेत्रों और पिछड़े ग्रामीण जिलों में काम करेंगे, तो उन्हें विकास की असली चुनौतियों और जनसमस्याओं की गहरी समझ प्राप्त होगी। इससे भविष्य में बेहतर और संवेदनशील प्रशासन तैयार होगा।

इनमें आयुषी बंसल झाबुआ, आशी शर्मा धार, माधव अग्रवाल बड़वानी, सौम्या मिश्रा सिंगरौली, श्लोक वाइकर कटनी, शिल्पा चौहान खंडवा, खोट पुष्पराज बैतूल, शैलेन्द्र चौधरी मंडला शामिल हैं।

ये सभी जिले आदिवासी और ग्रामीण विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इन युवा अधिकारियों को सहायक कलेक्टर के रूप में तैनात करके सरकार का प्रयास है कि वे सीधे जनता से जुड़कर विकास कार्यों को गति दें और स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि युवा आईएएस अधिकारियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ क्षेत्रीय अनुभव भी जरूरी है। आदिवासी क्षेत्रों में रहकर काम करने से उन्हें स्थानीय संस्कृति, भाषा और विकास की बुनियादी जरूरतों की बेहतर समझ विकसित होगी।

सरकारी आवास पर कांस्टेबल ने की आत्महत्या

इंदौर। इंदौर में मल्हारगंज थाना क्षेत्र के सरकारी आवास में यातायात एसीपी जोन-1 के मुंशी पद पर तैनात पुलिस आरक्षक अरविंद तोमर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक आरक्षक अरविंद तोमर मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के रहने वाले थे। वे वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में शामिल हुए थे। हाल ही में उनकी दिल्ली पुलिस में भी चयन हो गया था और वे 4-5 महीने के अंदर दिल्ली पुलिस ज्वाइन करने वाले थे। उनकी शादी नहीं हुई थी। बीती रात करीब 10 बजे ड्यूटी समाप्त कर अरविंद तोमर अपने सरकारी आवास पर लौटे थे। इसके कुछ देर बाद ही उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। घटना स्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

उड़ता तीर

अंतर्मना उवाच

अंधों को उपदेश की नहीं, उपचार की आवश्यकता है..!

चार शब्द है --
(1) कार्य (2) उपकार
(3) परोपकार (4) सरकार

- ***कार्य*** *- यानि प्रवृत्ति या उद्यम। कार्य करने वाले व्यक्ति को हित-अहित का विशेष बोध नहीं होता, उसे केवल काम करने से मतलब होता है।*
- ***उपकार*** *- यानि विवेकपूर्ण कार्य, होशपूर्वक की गयी प्रवृति, सद्कार्य। इसमें कर्म के परिणाम (एक्शन-रिएक्शन) का बोध होता है।*

परतापुर, जिला- बांसवाड़ा (राजस्थान) खुले आसमान में भरी दोपहर के 12:30 बजे, 42 डिग्री तापमान में, तपस्वी सम्राट, अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज सामायिक करते हुए। सूरज की तपिश से धरती तप रही है, पर उनकी साधना अडिग है। न छाँव, न आसन, केवल आत्म-लीनता। पसीने की बूंदें भी मानो तप का अभिषेक कर रही हो...

- ***परोपकार*** *- जो व्यक्ति स्वयं कष्ट सहकर, अपने स्वार्थ और लोभ को त्यागकर, दूसरों के हित में कार्य करता है, वही परोपकारी है। जो उपकार करके भूल जाए, वही सच्चा परोपकार है।*
- ***सरकार*** *- धर्म निष्ठ होकर राजा भी, न्याय प्रजा का किया करे। जैसे नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती और वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते, वैसे ही सच्चा शासक प्रजा के हित के लिए जीता है। जो शासक प्रजा का शोषण करे, द्वेष और ईर्ष्या रखे - वह कैसा राजा..?*

समझदार इंसान को इन चारों को कभी भी कमजोर नहीं समझना चाहिए -- ***अग्नि, बीमारी, दुश्मन और स्त्री।*** *क्योंकि --*

ये चारों यदि नियंत्रण में न रहें, तो जीवन में बड़ा संकट खड़ा कर सकते हैं..और यदि सही दिशा में हों, तो यही जीवन को संवार भी सकते हैं...!!!

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

घमासान: भाजपा ने केजरीवाल के नए आवास की तस्वीरें जारी कीं

भाजपा के मंत्री प्रवेश वर्मा बोले- शीश महल 2.0 का मतलब है आलीशान आदमी पार्टी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में शामिल होने के बाद बयानबाजी तेज हो गई है। बीजेपी ने शनिवार को दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के 95 लोधी एस्टेट के आवास की तस्वीरें जारी कीं। दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया कि उनके मन में अभी भी शीशमहल रहता है। उन्होंने अपने सरकारी आवास को आलीशान बनाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए हैं। आप नेता आतिशी ने सभी फोटो को फर्जी बताया है। उन्होंने कहा- ये फोटोज केजरीवाल के घर के नहीं हैं। अगर यह जानना है कि किसका घर कितना आलीशान है, तो रेखा गुप्ता और एलजी साहब अपने-अपने घर खोलें। केजरीवाल जी भी अपना घर खोलेंगे। इसके बाद जनता खुद तय कर लेगी।

प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल के नए घर को शीश महल 2 बताया और रहमान डकैत से तुलना की। मंत्री वर्मा ने कहा कि दिल्ली लूटने के बाद अब पंजाब में भी दूसरा शीश महल तैयार हो गया है। प्रवेश वर्मा के आरोपों के बाद आम आदमी पार्टी ने पलटवार किया। आप ने कहा कि रेखा गुप्ता मीडिया के लिए अपना घर खोल दें। दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने कहा कि केजरीवाल के घर की तस्वीर नहीं है। केजरीवाल सबको घर दिखा देंगे।

प्रवेश वर्मा ने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली में कोविड लहर के दौरान शीश महल बनवाया था। उस समय दिल्ली के लोग दवाएं मांग रहे थे, लेकिन शीश महल का काम नहीं रुका। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली के मतदाताओं ने रहमान डकैत को हराया, तो वह पंजाब चले गए।

केजरीवाल को बताया दिल्ली के रहमान डकैत

आतिशी बोलीं- अगर यह जानना है कि किसका घर कितना आलीशान है, तो रेखा गुप्ता और एलजी साहब अपने-अपने घर खोलें।

भगवंत मान के सरकारी घरों पर केजरीवाल का कब्जा

वहां भगवंत मान के घर के पास चार सरकारी घरों में से एक पर केजरीवाल ने कब्जा कर लिया। अन्य घरों पर सत्येंद्र जैन, संजय सिंह और मनीष सिसोदिया ने कब्जा किया। वर्मा ने बताया कि पंजाब में भगवंत मान परेशान हैं, क्योंकि केजरीवाल ने वहां भी एक और शीश महल बनवा लिया है। केजरीवाल 24 अप्रैल 2026 को 95 लोधी एस्टेट स्थित बंगले में शिफ्ट हुए हैं। वर्मा ने कहा कि सादगी का दावा करने वाले केजरीवाल अब बेहद आलीशान तरीके से रह रहे हैं।

आप नेता अनुराग ढांडा बोले

हमारे सांसदों को तोड़ना बीजेपी के डर का प्रतीक

रोहतक ■ एजेंसी

आम आदमी पार्टी के भीतर मची राजनीतिक उथल-पुथल के बीच पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। राघव चड्ढा और अन्य राज्यसभा सांसदों के पाला बदलने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए ढांडा ने इसे भाजपा की हताशा और डर करार दिया। रोहतक में मीडिया से बातचीत करते हुए अनुराग ढांडा ने कहा कि भाजपा अब पूरी तरह से आप के बढ़ते प्रभाव से डर गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा केवल उनके सांसदों को तोड़ने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी पार्टी की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। ढांडा ने दावा किया कि मोदी सरकार ने गुजरात में आप के आधिकारिक फेसबुक और इंस्टाग्राम पेज बंद करवा दिए हैं।

पैसे के स्रोतों की जानकारी मांगी

प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी का नाम बदलकर आलीशान आदमी पार्टी करने का सुझाव दिया। उन्होंने केजरीवाल से पूछा कि इस नए शीश महल में कितना पैसा लगाया गया है। वर्मा ने पैसे के स्रोत और मालिक के बारे में भी जानकारी मांगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या पार्टी के ईमानदार कार्यकर्ता लालच के कारण पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। वर्मा ने केजरीवाल के घर के पूरे लेआउट पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने घर के हर कमरे पर बहुत दिमागी मेहनत और समय लगाया है। वर्मा ने कहा कि यदि वे उतना ही समय दिल्ली के मामलों को सुलझाने में लगाते। तो शायद आज उनके कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी छोड़कर नहीं जा रहे होते।

आरएसएस महासचिव होसबाले ने पूछा

चुनाव बाद हुई हिंसा के लिए जिम्मेदार कौन?

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कानून-व्यवस्था मजबूत रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी होती है। यह बताते हुए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने पिछले चुनाव के बाद हुई हिंसा को याद किया और कहा कि देश और दुनिया जानती है कि इसके पीछे कौन है। इन दिनों अमेरिका की यात्रा पर गए होसबाले ने साक्षात्कार दिया। इस दौरान उन्होंने कहा, राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं को चुनाव जैसे लोकतांत्रिक आयोजन में संयम के साथ भाग लेना चाहिए और लोकतंत्र का संदेश देना चाहिए, न कि हिंसा में शामिल होना चाहिए। होसबाले ने कहा, चुनाव के समय सभी दलों और उनके कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि शांति बनाए रखें और लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव में हिस्सा लें। लेकिन इसके बजाय हिंसा की घटनाएं सामने आती हैं। उन्होंने कहा, मुझे यह बंगाल के पिछले चुनाव के बाद हुई हिंसा की याद दिलाता है। देश-दुनिया जानती है कि इसके पीछे कौन लोग हैं। होसबाले ने आगे कहा, जो लोग लोकतंत्र के सबक नहीं सीखेंगे, हिंसा उन्हें कहीं नहीं ले जाएगी और लोग उन्हें अपने तरीके से जवाब देंगे। उनसे बंगाल चुनाव में हिंसा को लेकर सवाल पूछा गया था। आरएसएस ने पश्चिम बंगाल के 2021 के चुनाव के बाद हुई हिंसा की निंदा की थी और इसे सुनियोजित साजिश बताया था। संगठन ने यह भी आरोप लगाया था कि उस समय राज्य का तंत्र मूक दर्शक बना रहा।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026

निर्वाचन आयोग की बड़ी कार्रवाई छह पुलिस अधिकारी निलंबित

कोलकाता ■ एजेंसी

भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान गंभीर अनियमितता और पक्षपात करने के आरोप में छह पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही भी शुरू कर दी गई है। निलंबित हुए अधिकारियों में आईपीएस समेत एसडीपीओ और प्रभारी निरीक्षक भी शामिल हैं। चुनाव आयोग ने संदीप सरकार प्रभारी अधिकारी, हिंगलगंज पुलिस स्टेशन को निलंबित करने के साथ ही कार्यवाही शुरू करने का निर्देश जारी किया है। इसके अलावा संदीप गराई (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डायमंड हार्बर), साजल मंडल (एसडीपीओ, डायमंड हार्बर), मौसम चक्रवर्ती (इंस्पेक्टर इंचार्ज, डायमंड हार्बर पुलिस स्टेशन), अजय बाग (इंस्पेक्टर इंचार्ज, फलता पुलिस स्टेशन) और शुभेच्छा बाग को निलंबित करने का आदेश दिया है।

बीजेपी किसान मोर्चा के 16 जिला अध्यक्ष घोषित

भोपाल। भाजपा किसान मोर्चा मध्यप्रदेश ने संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 16 जिलों के जिला अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। बीजेपी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने इन नियुक्तियों की घोषणा की। इसमें सुरेश पटेल नर्मदापुरम, महेश्वर सिंह चंदेल बैतूल, राहुल जाधव बुरहानपुर, राधेश्याम जाट शाजापुर, यशवंत लिल्हारे बालाघाट, धर्मवीर रघुवंशी अशोकनगर, हेमंत धाकड़ मुरैना, राजू नागदा (मोडी) नीमच, राजेंद्र सिंह खंडवा, प्रवीण त्रिपाठी रीवा, प्रदीप अवस्थी पन्ना, राजेंद्र शितोले बड़वानी आदि शामिल हैं।

के कविता ने बनाई अपनी नई राजनीतिक पार्टी

हैदराबाद ■ एजेंसी

तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी और बीआरएस की पूर्व नेता के कविता ने आज अपनी पार्टी लॉन्च कर दी है। के कविता की पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र सेना है। महीनों पहले के कविता को उनके ही पिता की पार्टी बीआरएस से निलंबित कर दिया गया था। के कविता को बीते साल बीआरएस से निलंबित किया गया था। के कविता की नई पार्टी की

लॉन्चिंग हैदराबाद में हुई। खास बात ये है कि बीआरएस का पुराना नाम भी टीआरएस था, जिसे बाद में बदलकर बीआरएस कर दिया गया था। नई पार्टी की लॉन्चिंग से पहले के कविता ने तेलंगाना को अलग राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर 1969 में हुए आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कहा कि उनकी पार्टी राज्य के लोगों की इच्छाओं और अधूरे एजेंडे को पूरा करने पर फोकस करेगी। पार्टी लॉन्चिंग के दौरान के कविता ने कहा, हमने आज नई पार्टी लॉन्च की है, जिसे टीआरएस यानी तेलंगाना राष्ट्र सेना के नाम से जाना जाएगा। हमने चुनाव आयोग में भी आवेदन दिया है।

ईरान का डेलीगेशन इस्लामाबाद पहुंचा

ईरान और अमेरिका के बीच सीधी बातचीत से तेहरान का इनकार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत फिर से शुरू हो रही है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में होने वाली इस वार्ता के लिए ईरान का डेलीगेशन इस्लामाबाद पहुंच चुका है। ईरानी डेलीगेशन विदेश मंत्री अब्बास अराघची के नेतृत्व में पहुंचा है, जबकि अमेरिकी डेलीगेशन में इस बार जेडी वेंस नहीं हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शुक्रवार को एक प्रतिनिधिमंडल के साथ इस्लामाबाद पहुंचे, जो ईरान और अमेरिका के बीच रुकी हुई बातचीत को फिर से शुरू करेंगे। ये बातचीत भी पाकिस्तान के प्रयासों से हो रही है। अधिकारियों ने

बताया कि अराघची के अपनी यात्रा के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर से मुलाकात करने की उम्मीद है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने अराघची के नेतृत्व में इस्लामाबाद पहुंचे ईरानी डेलीगेशन के साथ फोटो शेयर की हैं, जिसमें आसिम मुनीर और गृहमंत्री मोहसिन नकवी ईरानी नेताओं का स्वागत कर रहे हैं। वहीं ईरानी विदेश मंत्रालय की ओर से बताया गया कि अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत की कोई योजना नहीं है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल एक आधिकारिक दौरे के लिए इस्लामाबाद पहुंच गया हैं। अराघची, पाकिस्तान के उन नेताओं के साथ बातचीत करेंगे।

अमेरिका का डेलीगेशन कब पहुंचेगा?

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के इस्लामाबाद पहुंचने की उम्मीद है। अमेरिका भी राजनयिक संपर्क साधने की तैयारी कर रहा है, जिसके तहत ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर चर्चा के लिए इस्लामाबाद पहुंच सकते हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वार्ता प्रत्यक्ष रूप से होगी, लेकिन इसमें पाकिस्तान मध्यस्थता करेगा। उन्होंने आगे कहा कि उपराष्ट्रपति जेडी वैंस वाशिंगटन से विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ समन्वय करते हुए बातचीत में शामिल रहेंगे।

अमेरिका की मांगें मानेगा ईरान: ट्रंप

पाकिस्तान में बातचीत से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान अमेरिका की मांगों को पूरा करने के उद्देश्य से एक प्रस्ताव देने की तैयारी कर रहा है। ट्रंप ने रॉयटर्स के साथ एक फोन इंटरव्यू में कहा, वे एक प्रस्ताव दे रहे हैं और हमें देखना होगा। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अभी तक प्रस्ताव के डिटेल के बारे में जानकारी नहीं मिली है।

क्रेशर खदान में हादसा

तीन दोस्त डूबे एक शव बरामद

सीएम ने जताया दुख, मुआवजे का किया ऐलान

सागर। बहेरिया थाना इलाके के गुड़ा गांव में कल रात क्रेशर खदान में नहाने गए सात दोस्तों में से तीन युवक गहरे पानी में डूब गए। सभी युवक खदान में नहा रहे थे और एक युवक डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में तीन अन्य दोस्त भी पानी में समा गए। रेस्क्यू टीम ने एक शव बरामद कर लिया है, बाकी दो लोगों की तलाश जारी है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए प्रभावितों के परिजनों को 4-4 लाख की आर्थिक सहायता की घोषणा की है

संक्षिप्त समाचार

पैसों के लेन-देन में काका-बाबा के भाईयों के बीच झगड़ा

उज्जैन। उज्जैन जिले के उन्हेल थाना क्षेत्र स्थित ग्राम गुराड़ियासागा में पुराने लेनदेन के विवाद ने शुक्रवार को हिंसक रूप ले लिया। जहां दोनों ओर से पत्थर और डंडे चले, वहीं करीब 15-20 लोगों ने एक युवक पर पीछे से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक का अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार एक ही परिवार के सदस्यों के बीच लंबे समय से पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। शुक्रवार सुबह कहासुनी के बाद मामला बढ़ गया और मारपीट में बदल गया। बताया जा रहा है कि यह विवाद परिवार के एक बुजुर्ग के अंतिम संस्कार के दौरान हुए लेनदेन से जुड़ा है, जिसे लेकर दोनों पक्षों में वर्षों से तनाव बना हुआ था। पीड़ित रंजीत ने बताया कि 20 अप्रैल को उसके घर में शादी थी। इस दौरान भी आरोपियों ने मेहमानों के सामने हंगामा किया। इसके बाद से ही विवाद लगातार बढ़ता जा रहा था। रंजीत के मुताबिक 24 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे वह घर के बाहर खड़ा था, तभी उसके बड़े पापा दशरथ का बेटा ओमप्रकाश वहां आया और गाली-गलौज करने लगा।

पिपरिया में 63 बोरी ब्रांडेड कंपनी का नकली खाद जब्त

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के पिपरिया में टेकापार के पास ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली ऑर्गेनिक खाद खपाने का मामला सामने आया है। प्रशासन की टीम ने 22 अप्रैल को एक आयशर से पिकअप वाहन में खाद शिफ्ट करते हुए 63 बोरी माल जब्त किया था। जांच में अलवर (राजस्थान) की जिस कंपनी के नाम का यह खाद मिला, उसने इसे अपना माल मानने से इनकार कर दिया है। इसके बाद गुरुवार रात स्टेशन थाने में इंदौर और पिपरिया निवासी दोनों वाहन चालकों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी एवं सह निरीक्षक निराली आर्य ने बताया, '22 अप्रैल को एसडीएम आकिप खान की सूचना पर तहसीलदार पिपरिया वैभव वैरागी, नायब तहसीलदार पिपरिया मनोज कुमार नामदेव एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी निराली आर्य उर्वरक ले जा रहे वाहन की जांच करने पहुंचे। आयशर वाहन से पिकअप गाड़ी में खाद की बोरियों को रखा जा रहा था। जिसमें कुछ गड़बड़ियां मिलीं। एक आयशर और पिकअप वाहन में खाद रखने के दौरान मौके में जो दस्तावेज दिखाएं। उसमें बिल रामशा बायोटेक, पीथमपुर द्वारा श्री एग्रो बायो आर्गेनिक फर्टिलाइजर्स अलवर (राजस्थान) के नाम जारी था। जिसकी डिलीवरी मटकुली में सुलेमान खान के यहां होनी थी।' हालांकि, जांच के दौरान संबंधित व्यक्ति सुलेमान खान मौके पर नहीं मिला। अवैध परिवहन करते हुए आयशर वाहन (MP 09 GF 3519) से खाद उतारकर पिकअप (MP 04 GB 5323) में लोड किया जा रहा था। टीम ने मौके से कुल 63 बोरियां जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में भेजी हैं। इनमें से 55 बोरियां पिकअप और 8 बोरियां आयशर में रखी मिली थीं। मौके पर ही गिनती कर पंचनामा तैयार कर लिया गया है।

पति की बहन को सौतन बताकर पत्नी ने लिया तलाक

कोर्ट में फैमिली फोटो को दूसरी शादी का सबूत दिखाया; पति ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर हाईकोर्ट में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने पति से तलाक पाने के लिए ननद (पति की बहन) को ही सौतन बता दिया। महिला ने फैमिली फोटो को पति की दूसरी शादी का सबूत बताकर कुटुंब न्यायालय से एकतरफा तलाक की डिक्री हासिल कर ली। अब पति ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

28 साल पहले शादी, 2015 से अलग रह रहे थे: जानकारी के अनुसार ग्वालियर की रहने वाली महिला (उम्र- 46 साल) की शादी साल 1998 में हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। पति एक मार्केटिंग कंपनी में अधिकारी है और काम के सिलसिले में अक्सर बाहर रहता था। इसी वजह से दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया और साल 2015 में महिला अलग रहने लगी।

करीब 10 साल से अलग रह रही महिला किसी भी हालत में तलाक चाहती थी, लेकिन पति इसके लिए तैयार नहीं था। ऐसे में साल 2021 में महिला ने कुटुंब न्यायालय में तलाक की अर्जी लगाई और आरोप लगाया कि पति ने दूसरी शादी कर ली है।

शिवपुरी में पलटी कार, 5 दोस्तों में एक की मौत

दो युवती समेत चार घायल, आगरा से महाकालेश्वर दर्शन करने जा रहे थे सभी

शिवपुरी ■ निसं

शिवपुरी के नोहरी इलाके में रेलवे पुल के पास शुक्रवार रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो युवतियों सहित चार लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

चार लोग घायल, दो की हालत गंभीर: कार क्रमांक क्क80 स्नङ्क 2581 में मयंक भदौरिया (26, आगरा), प्रवीण सिंह (28, आगरा), अभय सिंह (21, नोएडा), प्रियांशी राठौर (28, आगरा) और दीक्षा सेनी (28, हनुमानगढ़, राजस्थान) सवार थे। ये सभी आगरा से उज्जैन में महाकालेश्वर के दर्शन के लिए जा रहे थे। शिवपुरी के पास खराब सड़क और वन-वे व्यवस्था के कारण कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

हादसे में मयंक भदौरिया की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल प्रियांशी राठौर और प्रवीण सिंह को ग्वालियर रेफर किया गया है। अभय सिंह और दीक्षा सेनी का इलाज शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

इंदौर में 13 साल की दुल्हन, 42 का दूल्हा..शादी कैंसिल

जांच करने पहुंची टीम को दिखा दी फर्जी मार्कशीट; 19 साल के भाई की शादी भी रोकी

इंदौर ■ निसं

इंदौर में 13 साल की नाबालिग का विवाह 42 साल के युवक से कराए जाने का मामला सामने आया है। शादी 25 अप्रैल को तय थी, लेकिन सूचना मिलने पर प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। जांच के दौरान परिजनों ने उम्र छिपाने के लिए फर्जी अंकसूची पेश कर दी, लेकिन वेरिफिकेशन में सच्चाई सामने आ गई और समय रहते विवाह रुकवा दिया गया।

प्रशासनिक टीम ने दस्तावेजों की जांच जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से कराई, जिसमें पता चला कि प्रस्तुत अंकसूचियां संबंधित स्कूलों द्वारा जारी ही नहीं की गई थीं। जांच में बालिका की उम्र 13 वर्ष और उसके भाई की उम्र 19 वर्ष पाई गई, जबकि परिवार की ओर से अधिक उम्र बताई जा रही थी। इसके बाद दोनों बालक-बालिकाओं के विवाह निरस्त कर दिए गए।

मामले में सामने आया कि 'बेटी दो-बेटी लो' जैसी सामाजिक प्रथा के तहत एक बुजुर्ग ने अपने पोते की शादी कराने के लिए 13 वर्षीय पोती का रिश्ता 42 वर्षीय व्यक्ति से तय कर दिया था। प्रशासनिक दल ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई और परिजनों को समझाइश दी कि बाल विवाह कानूनन अपराध है और बेटी का विवाह निर्धारित उम्र में ही किया जाना चाहिए।

स्कूल ने बताया- हमारे यहां नहीं की पढ़ाई

इंदौर की अंकसूची को संबंधित स्कूल ने फर्जी बताया। स्कूल ने स्पष्ट किया कि यह अंकसूची उनके यहां से जारी नहीं हुई है और न ही संबंधित बालक-बालिका वहां पढ़े हैं। होशंगाबाद की अंकसूची के अनुसार बालिका की उम्र 13 वर्ष और बालक की उम्र 19 वर्ष पाई गई। अंकसूचियों के सत्यापन के बाद टीम तत्काल बाल विवाह रोकने के लिए रवाना हुई। मौके पर परिवार से मूल दस्तावेज मांगे गए, लेकिन उनके पास केवल मोबाइल में फोटो ही थे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा ने बताया कि हेल्पलाइन पर शिकायत मिलने के बाद ग्राम रंगवासा में जांच की गई थी। प्रारंभिक जांच में परिवार ने मार्कशीट दिखाकर उम्र सही बताने की कोशिश की, लेकिन संदेह होने पर गहन जांच कराई गई, जिसमें फर्जीवाड़ा सामने आया।

इंदौर से उज्जैन तक निगरानी

विवाह उज्जैन की चंद्रवंशी बागरी समाज धर्मशाला में होना था। सूचना उज्जैन प्रशासन को भी दी गई, ताकि वहां भी निगरानी रखी जा सके। सांवेर तहसील के ग्राम दयाखेड़ा में होने वाले विवाह को भी तहसीलदार पूनम तोमर के माध्यम से रुकवाया गया।

मौके से हटवाया टेंट और साउंड सिस्टम

रंगवासा में विवाह के लिए मंडप सज चुका था और साउंड सिस्टम चल रहा था। उम्र कम पाए जाने पर तुरंत टेंट और साउंड वालों को कानून की जानकारी देकर सामग्री हटवाई गई। कुछ ही देर में पूरा सामान हटा दिया गया। विवाह पत्रिका छापने वाले को भी चेतावनी दी गई, जिसके बाद उसने लिखित में माफी मांगी।

असली दस्तावेज किसी के पास नहीं थे। कार्रवाई के डर से परिजनों ने समधी के पास कागज होने की बात कही, लेकिन वे भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। कानून की जानकारी देने पर परिवार विवाह निरस्त करने को तैयार हो गया।

मानवता शर्मसार!

ट्रक हादसे के बाद सड़क पर बिखरी बोतलों पर टूटी भीड़, मदद की जगह लूट में लगे लोग

विदिशा ■ निसं

विदिशा में एक ट्रक हादसे के बाद घायलों की मदद करने के बजाय मौके पर जुटी भीड़ सड़क पर बिखरी कोल्ड्रिंक की बोतलों को समेटने में लग गई, जिससे घटना ने सामाजिक संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर दिए। जिले में शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसे ने न सिर्फ यातायात को प्रभावित किया, बल्कि समाज के एक चिंताजनक चेहरे को भी उजागर कर दिया। जानकारी के अनुसार भोपाल-सागर बायपास स्थित गिरधर कॉलोनी के पास एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक में बड़ी मात्रा में कोल्ड्रिंक की बोतलें भरी हुई थीं, जो हादसे के बाद सड़क पर बिखर गईं।

हादसे के तुरंत बाद जहां लोगों से मदद की उम्मीद थी, वहीं इसके उलट दृश्य देखने को मिला। आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे, लेकिन घायलों या चालक की मदद करने के बजाय कई लोग सड़क पर बिखरी कोल्ड्रिंक की बोतलों को समेटकर ले जाने में जुट गए और देखते ही देखते वहां लूट जैसा माहौल बन गया।

घटना के वायरल हो रहे फोटो और वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ लोग बोतलों को अपने वाहनों में भरकर ले जा रहे हैं, जबकि कुछ लोग हाथों में जितनी बोतलें आ सकें, उतनी समेटते नजर आए। इस दौरान सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ। घटना विदिशा के ग्रांड भेलसा होटल के सामने की बताई जा रही है, जहां कुछ ही देर में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। हादसे के कारण ट्रक का सामान पूरी तरह सड़क पर फैल गया, जिससे स्थिति और भी अव्यवस्थित हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस ने भीड़ को मौके से हटाया और यातायात को सुचारु करने की कोशिश की।

जानवरों की चर्बी का आइसक्रीम बनाने में भी इस्तेमाल

फैक्ट्री मालिक ने मजिस्ट्रेट को दिया घूस का ऑफर, आरोपी पर एनएसए लगाने की तैयारी

खंडवा ■ निसं

खंडवा के इमलीपुरा में अवैध घी फैक्ट्री चलाने वाले अनवर कुरैशी को शुक्रवार को पशु परीक्षण एक्ट में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। प्रशासन उस पर रासुका (NSA) लगाने की तैयारी कर रहा है।

मोघट रोड थाना पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि मवेशियों की चर्बी से बना घी होटल-ढाबों, आइसक्रीम फैक्ट्री और कपड़ा मिलों में सप्लाई हो रहा था। यानी इस घी को आइसक्रीम बनाने में भी इस्तेमाल किया जा रहा था।

आरोपी के परिवार में उसके तीन सगे भाई वकील हैं। ऐसी बात भी सामने आई है कि कार्रवाई के दौरान उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट को फर्जी दस्तावेज दिखाकर रिश्वत देने की कोशिश की।

ढाबों और आइसक्रीम बनाने में भी चर्बी का इस्तेमाल: आरोपी ने बताया कि घी जैसा दिखने वाला तेल बुरहानपुर के एक कपड़ा उद्योग में सप्लाई होता था। इसका उपयोग कॉटन से कपड़ा और धागा बनाते समय फिनिशिंग में किया जाता था। यह चर्बी ढाबों और आइसक्रीम बनाने में भी इस्तेमाल हो रही थी।

138 मवेशी काटे गए, चमड़ा गलाने में मिला सरकारी नमक: मौके से सरकारी राशन दुकान का नमक बड़ी मात्रा में मिला, जिसकी जांच के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को बुलाया गया। डॉ. नवीन तिवारी ने बताया कि इस नमक से चमड़ा पिघलाकर चर्बी बनाई जाती है। एक जानवर से करीब 10 किलो चर्बी निकलती है। 1380 किलो चर्बी मिलने के आधार पर 138 जानवर काटे जाने का अनुमान है।

मजिस्ट्रेट से कहा कि फीस लेकर कार्रवाई रोक दें: आरोपी के तीनों भाई वकील हैं। उन्होंने फर्जी लाइसेंस और अनुमति के दस्तावेज दिखाकर मजिस्ट्रेट से कहा कि फीस लेकर कार्रवाई रोक दें। सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर ने बताया कि गुरुवार रात 11 बजे शिकायत मिली थी।

नर्मदा लोक का टेंडर निरस्त करने का अल्टीमेटम

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम में 20 करोड़ रुपए से बनने वाला में नर्मदा लोक का कार्य अधर में लटक गया है। भूमिपूजन के तीन माह बीतने के बाद पहले चरण का शुरू हुआ। लेकिन रफ्तार धीमी है। नपाध्यक्ष नीतू यादव का कहना है कि ठेकेदार नगर पालिका की नहीं सुन नहीं रहा। धीमी रफ्तार और नहीं सुनने की वजह से नगर पालिका ने कुशल गुरु कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार पवन शर्मा को दिया टेंडर निरस्त करने का निर्णय ले लिया है। जिसका पत्र भी नगर पालिका ने ठेकेदार को मेल कर दिया है। जल्द ऑनलाइन टेंडर निरस्त होगा। खास बात यह है कि नर्मदा लोक का टेंडर लेने वाली फर्म के ठेकेदार पवन शर्मा भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष भी है। टेंडर निरस्त के निर्णय की जानकारी मिलते ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

---

2 महीने पहले पकड़ा था 792 किलो नकली घी

दो माह बाद भी मास्टरमाइंड आजाद; सीहोर में सांची के नाम पर चल रही थी फैक्ट्री

सीहोर ■ निसं

सीहोर जिले के जावर थाना क्षेत्र अंतर्गत डोडी गांव में 24 फरवरी को पकड़ी गई नकली घी की फैक्ट्री के मामले में दो महीने बाद भी मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। राजस्व और खाद्य सुरक्षा (फूड सेफ्टी) विभाग की टीम ने एक किराए के मकान पर छापा मारकर 792 किलोग्राम नकली घी, सांची ब्रांड के रैपर और वनस्पति घी के डिब्बे जब्त किए थे। वर्तमान में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को घी के सैंपलों की लैब रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट और विभागीय प्रतिवेदन के अभाव में पुलिस भी मामले में कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं कर पा रही है, जिससे मुख्य आरोपी खुलेआम घूम रहा है।

कल्याणपुरा के गौरव ने किराए पर लिया था मकान: जानकारी के अनुसार, जावर के डोडी गांव में मानसिंह के मकान में नकली घी बनाने का यह कारखाना चल रहा था। इस मकान को कल्याणपुरा निवासी गौरव ने किराए पर लिया था, जहां वह प्रतिष्ठित ब्रांड 'सांची' के नाम पर नकली घी तैयार कर रहा था। 24 फरवरी को जावर तहसीलदार ओमप्रकाश चौरमा और फूड सेफ्टी विभाग की निरीक्षक कीर्ति मालवीय ने संयुक्त रूप से मकान पर कार्रवाई की थी। टीम ने मौके से 792 किलोग्राम नकली घी व अन्य सामग्री बरामद करने के बाद कमरों को सील कर दिया था।

मप्र में थारकांड के बाद फिर बवाल

मंत्री के भाई ने महिला CEO को दी धमकी, बोले- 'तेरे दांत तोड़ दूंगा, तुझे यहीं जिंदा गाड़ दूंगा'

भोपाल/आलीराजपुर ■ निसं

भोपाल/आलीराजपुर। बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी के बेटे के थारकांड और आईपीएस अधिकारी को दी गई धमकी का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा है और अब एक मंत्री के भाई से जुड़ा विवाद सामने आ गया है। इस बार मामला कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान के भाई और जनपद पंचायत अध्यक्ष के पति इंदर सिंह चौहान से जुड़ा है, जिन पर महिला सीईओ को धमकाने, अभद्रता और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है।

यहां सब मेरी मर्जी से होगा: घटना 22 अप्रैल 2026 की बताई जा रही है। जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रिया काग जब दोपहर करीब 3 बजे कार्यालय पहुंचीं, तभी कन्या विवाह योजना के तहत पहले से विवाहित आवेदकों के आवेदन निरस्त किए जाने को लेकर इंदर सिंह चौहान नाराज हो गए और विवाद शुरू हो गया। शिकायत के मुताबिक, इंदर सिंह चौहान ने गुस्से में आकर सीईओ के साथ अभद्र व्यवहार किया और कथित तौर पर धमकी दी- 'तेरे दांत तोड़ दूंगा, तुझे यहीं जिंदा गाड़ दूंगा, यहां सब मेरी मर्जी से होगा।' आरोप है कि वह मारने के लिए उनकी ओर बढ़े, लेकिन मौके पर मौजूद लेखाधिकारी सावन भिंडे ने बीच-बचाव कर स्थिति संभाली। पुलिस ने इस मामले में इंदरसिंह चौहान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (क्चहृस्) की धारा 132, 224, 221, 351(2) और 126(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

सीईओ बोलीं-कार्यस्थल पर असुरक्षित हूं

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) प्रिया काग ने कहा- 'मैं 22 अप्रैल को दोपहर 3 बजे ऑफिस पहुंची तो इंदर सिंह चौहान ने कन्या विवाह योजना के आवेदन निरस्त करने पर मुझे धमकाया। उन्होंने कहा 'तेरे दांत तोड़ दूंगा, जिंदा गाड़ दूंगा' और मुझे मारने दौड़े। उन्होंने मेरा रास्ता भी रोका। मैं अपने कार्यस्थल पर असुरक्षित महसूस कर रही हूं।'

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार: मामले पर मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा- 'सालों हो गए, मैं अपने भाई से बात नहीं करता। वह अलग रहता है और अपना काम करता है। वह किससे क्या कह रहा है, यह वही जाने। कानून अपना काम करेगा।' एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया के अनुसार, आरोपी इंदर चौहान को केस दर्ज करने के बाद गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उसे जमानत मिल गई। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों के परिजनों की कथित दबंगई को लेकर राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है।

खंभे में चढ़ा था कर्मचारी, बिजली हो गई चालू

नीचे गिरने से हुई मौत, नाराज परिजनों ने किया चक्काजाम

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर के खजरी खिरिया क्षेत्र में बिजली लाइन सुधारने के दौरान 51 वर्षीय ठेका कर्मचारी की खंभे से गिरने से मौत हो गई। हादसा शुक्रवार को उस वक्त हुआ जब रंजीत कोरी खंभे पर चढ़कर लाइन ठीक कर रहे थे। इसी दौरान अचानक लाइन चालू हो गई, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और वे करीब 30 फीट ऊंचे खंभे से नीचे गिर पड़े। घटना के बाद साथियों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से उन्हें मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शनिवार सुबह आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने अमखेरा-खजरी खिरिया रोड पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया।

उनका कहना है कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई, उचित मुआवजा और मृतक के बेटे को नौकरी नहीं दी जाती, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। जानकारी मिलते ही गोहलपुर थाना पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देते रहे, पर लोग मानने को तैयार नहीं थे। परिजनों का आरोप है कि मध्य प्रदेश विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते यह घटना हुई है। जब लाइन बंद थी और कर्मचारी खंभे पर चढ़कर काम कर रहा था तब बिना सूचना के लाइन कैसे चालू की गई और किसने की।

पुराने परिसीमन पर ही होंगे निकाय और पंचायत चुनाव!

नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू, फोटोयुक्त मतदाता सूची का हो रहा पुनरीक्षण

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र में 2027 में होने वाले नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायतों की फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। एक जनवरी 2026 को संदर्भ तारीख मानकर यह पुनरीक्षण किया जाएगा। यह इस बात का संकेत है कि राज्य निर्वाचन आयोग इन चुनावों के लिए परिसीमन नहीं कराएगा। यानी आगामी नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव पुराने परिसीमन (वर्ष 2022) पर ही होंगे।

मप्र राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति तथा जिला स्तरीय प्रशिक्षण 27 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। फोटो युक्त प्रारूप मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 15 मई को किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची पर आम नागरिकों के दावे और आपत्तियां 25 मई तक स्वीकार की जाएंगी। प्राप्त सभी दावों-आपत्तियों का निराकरण 30 मई तक कर दिया जाएगा। अंत में, फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 18 जून को होगा। यह पुनरीक्षण कार्यक्रम

मतदाता सूची को अपडेट और शुद्ध रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें नए मतदाताओं का नाम जुडना, पुराने नाम हटना, नाम, पते, फोटो में सुधार जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

नए आयोग का गठन ठंडे बस्ते में: राज्य निर्वाचन आयोग ने अगले साल होने वाले चुनाव से पहले नगरीय निकायों और पंचायतों की सीमाओं का नए सिरे से परिसीमन करने का निर्णय लिया था। राज्य निर्वाचन आयोग ने जुलाई, 2025 में राज्य शासन को एक प्रस्ताव भेजा था। प्रस्ताव में नगरीय निकायों एवं पंचायतों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण के लिए नए परिसीमन आयोग के गठन की सिफारिश की गई थी। राज्य निर्वाचन आयोग को उम्मीद थी कि सरकार जल्द आयोग का गठन कर देगी, जिससे प्रशासनिक इकाइयां फ्रीज होने से पूर्व नगरीय निकायों और पंचायतों के परिसीमन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। सरकार को प्रस्ताव भेजने के नौ महीने बीतने के बाद भी परिसीमन आयोग के गठन के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। नए परिसीमन आयोग के गठन संबंधी प्रस्ताव मंत्रालय में धूल खा रही है। इस बीच गत 31 दिसंबर की मध्य रात्रि से प्रशासनिक इकाइयां फ्रीज हो चुकी हैं, इस कारण जनगणना का कार्य पूरा होने तक नगरीय निकायों और पंचायतों के परिसीमन का कार्य नहीं किया जा सकेगा। बता दें कि इससे पूर्व प्रदेश में जुलाई-अगस्त, 2022 में नगरीय निकाय और पंचायत्त चुनाव कराए गए थे।

18 जून को अंतिम प्रकाशन: राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी कर दिया है। एक जनवरी, 2026 की संदर्भतारीख के आधार पर मतदाता सूची का पुनरीक्षण होगा। फोटो युक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को किया जाएगा। आयुक्त, राज्य निर्वाचन आयोग मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि आयोग ने चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति और जिला स्तरीय प्रशिक्षण 27 अप्रैल तक किया जाएगा।

पंचायत चुनाव के कारण प्रशासनिक सीमाएं फ्रीज

प्रदेश में नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव जून, 2027 में प्रस्तावित हैं। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव की प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक प्रदेश में नगरीय निकास और पंचायत चुनाव पुराने परिसीमन के आधार पर कराए जाएंगे। इसकी वजह यह है कि देश में जनगणना के चलते गत 31 दिसंबर की मध्य रात्रि से प्रशासनिक सीमाएं फ्रीज कर दी गई हैं। अब जनगणना पूरी होने तक नए जिले, तहसील का गठन और किसी तरह का सीमा परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में घरों की लिस्टिंग और आवास गणना अप्रैल से सितंबर, के बीच होगी। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना फरवरी, 2027 में की जाएगी।

परिसीमन इसलिए जरूरी, यह होता असर

राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों का कहना है कि पंचायतों और नगरीय निकायों में हर पांच वर्ष में चुनाव होना अनिवार्य है। राज्य निर्वाचन आयोग को चुनाव कराने से पहले परिसीमन पूरा करना होता है, ताकि प्रत्येक इकाई संविधान द्वारा निर्धारित मानकों, जैसे-आबादी, मतदान अधिकार आदि को पूरा करे। साथ ही ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके। नए परिसीमन के बाद कई वार्डों की संख्या, आकार और सीमाएं बदल सकती थीं। आगामी पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारों की स्थिति, मतदाता सूची और राजनीतिक समीकरणों पर भी इसका असर पड़ता।

जिला स्तर पर कार्यक्रमों में होगा आदर्श पशुपालकों का सम्मान

प्रदेश में सहकार से हो रहा है डेयरी गतिविधियों का विस्तार : मुख्यमंत्री

- डेयरी गतिविधियों में 26 हजार गांवों को जोड़ने और प्रतिदिन 52 लाख कि.ग्रा. दुग्ध संकलन का लक्ष्य
- दुग्ध क्षेत्र में पारदर्शिता और ब्रांड सुदृढ़ीकरण पर होगा विशेष फोकस
- दुग्ध समितियों में महिला सदस्यता को किया जाए प्रोत्साहित
- मोबाइल ऐप से होगा दुग्ध संकलन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दुग्ध उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां किसानों की आय बढ़ाने में प्रभावी रूप से सहायक है। किसानों की आय दोगुना करने के लिए किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार डेयरी गतिविधियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित कर रही है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा प्रदेश के दुग्ध संघों को दिए जा रहे सहयोग से दुग्ध संकलन में वृद्धि हुई है और किसानों को भी दूध के बेहतर दाम मिल रहे हैं। सहकार के भाव से डेयरी गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है।

दुग्ध समितियों में महिला सदस्यता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डेयरी सहकारी कवरेज के विस्तार और सुदृढ़ीकरण, नई डेयरी प्रसंस्करण, उत्पाद निर्माण और पशु चारा संयंत्र के आधुनिकीकरण, डेयरी वैल्यू चैन के डिजीट्लाइजेशन, पारदर्शिता और दुग्ध उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के लिए समय-सीमा निर्धारित करते हुए कार्ययोजना बनाई जाए। डेयरी विकास योजना के अंतर्गत 26 हजार गांवो को जोड़ने, प्रतिदिन दुग्ध संकलन 52 लाख किलोग्राम तक करने का लक्ष्य रख, गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ये निर्देश मध्यप्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की राज्य स्तरीय संचालन समिति की द्वितीय बैठक में दिए।

मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में हुई बैठक में सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री लखन पटेल, वरिष्ठ विधायक तथा वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अध्यक्ष नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड मीनेष शाह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और दुग्ध संघों का कार्यअनुबंध करने के बाद वर्ष 2025-26 में 1752 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया तथा 701 निष्क्रिय दुग्ध समितियों को क्रियाशील किया गया।

प्रदेश के युवाओं को डेयरी टेक्नोलॉजी की नई तकनीकों से परिचित कराने की भी आवश्यकता है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के दुग्ध क्षेत्र में अनुभव का लाभ राजधानी से लेकर ग्राम स्तर तक सुनिश्चित किया जाए। दूध और दुग्ध उत्पादों के बिक्री में सुधार के लिए ब्राण्ड सुदृढ़ीकरण और नई पैकेजिंग डिजाइन कर उत्पादों की पहुंच का अधिक से अधिक विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुग्ध उत्पादन में वृद्धि और विभिन्न दुग्ध उत्पादों के निर्माण के लिए किसानों को नवाचार करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों तथा प्रदेश के युवाओं को डेयरी टेक्नोलॉजी की नई तकनीकों से परिचित कराने की भी आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आदर्श पशुपालकों को सम्मानित करने, दूधारू पशुओं की प्रदर्शनी आयोजित करने और डेयरी के संबंध में सूचना सम्प्रेषण के लिए जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाए।

कलचुरि कलार समाज का भव्य परिचय सम्मेलन 28 अप्रैल को, मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

500 से अधिक युवक-युवती देंगे परिचय, 'कलचुरियन कीर्ति' पत्रिका का होगा विमोचन, समाजसेवियों का सम्मान

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सहस्त्रबाहु कलचुरी महासभा के तत्वावधान में 28 अप्रैल (मंगलवार) को राजधानी भोपाल के लिंक रोड नंबर-3 स्थित कलचुरि भवन में कलचुरि कलार समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं महासभा का स्थापना दिवस समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से रात्रि 11 बजे तक चलेगा। प्रवक्ता राजेश राय ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे भगवान सहस्त्रबाहु जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ होगी। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया जाएगा।

महासभा के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष डॉ. एल.एन. मालवीय ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल होंगे। सम्मेलन में 500 से अधिक युवक-युवती मंच पर आकर अपना परिचय देंगे, जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों के लिए योग्य जीवनसाथी चुनने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर युवक-युवतियों के बायोडाटा एवं फोटो से सुसज्जित पत्रिका 'कलचुरियन कीर्ति' का विमोचन भी किया जाएगा।

मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र की होगी जांच

हाईकोर्ट ने छानबीन समिति को 60 दिन में फैसला लेने का ऑर्डर दिया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र की नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र विवाद में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सीधे जांच के आदेश देने के बजाय मामले को हाई लेवल कास्ट स्क्रूटनी कमेटी के पास भेजते हुए उसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फैसला करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि कमेटी 60 दिन के भीतर प्रमाण पत्र की वैधता पर निर्णय ले। भोपाल में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि याचिकाकर्ता प्रदीप अहिरवार की शिकायत पर 31 मार्च 2025 को दिए गए आवेदन के आधार पर कमेटी सुनवाई करेगी और संबंधित पक्ष (प्रतिवादी क्रमांक-3) को सुनवाई का पूरा अवसर दिया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से पेश शासकीय अधिवक्ता ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि सक्षम प्राधिकारी यानी हाई लेवल कास्ट स्क्रूटनी कमेटी, यदि पहले निर्णय नहीं लिया गया है तो अब नियमानुसार जांच कर फैसला लेगी और आदेश की सूचना याचिकाकर्ता को देगी।

30 जून तक छानबीन समिति लेगी निर्णय: कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि कमेटी संबंधित पक्ष को बुलाकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच करेगी और यह तय करेगी कि प्रतिमा बागरी के पक्ष में जारी अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र वैध है या नहीं। जांच पूरी होने के बाद कमेटी उचित आदेश पारित करेगी।

सहकारिता किसानों की आय, तकनीक और विश्वास में बढ़ोतरी का आधार बनी : मंत्री सारंग

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि मध्यप्रदेश सहकारिता के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ते हुए देश के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में उभर रहा है। राज्य में पेक्स के डिजिटलीकरण, व्यवसाय विविधिकरण, सदस्यता विस्तार और दुग्ध संघों की प्रगति ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी है। मंत्री सारंग ने बताया कि प्रदेश की सभी 4536 कार्यशील पेक्स का सफल कम्प्यूटरीकरण किया जा चुका है। ईआरपी सॉफ्टवेयर के माध्यम से कार्यप्रणाली पारदर्शी और आधुनिक बनी है। किसानों को एसएमएस के जरिए लेन-देन की जानकारी देने में मध्यप्रदेश देश में प्रथम है। साथ ही, ऑनलाइन और पेपरलेस सदस्यता सुविधा से किसानों को सरल और सुगम सेवाएं मिल रही हैं। मंत्री सारंग ने बताया कि पेक्स अब पारंपरिक गतिविधियों से आगे बढ़कर नए व्यवसाय अपना रही हैं। आईएफएफसीओ-एमसी आउटलेट, सांची पार्लर, पशुचारा और रिटेल स्टोर जैसे नवाचारों से समितियों की आय में वृद्धि हो रही है।

बिजली क्षेत्र में महिलाओं के योगदान की सराहना

महिलाएं न केवल लाभार्थी बनें, बल्कि नवाचार के माध्यम से रोजगार प्रदाता बनें : प्रतिभा तिवारी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के गोविंदपुरा स्थित पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग सेन्टर के सभागार में शुक्रवार को ''नारी शक्ति वंदन पखवाड़े'' के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कृषिका नेचुरल्स प्राइवेट लिमिटेड की प्रबंध निदेशक एवं सुप्रसिद्ध महिला उद्यमी और उन्नत कृषक श्रीमती प्रतिभा तिवारी ने समारोह में उपस्थित महिला अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ''नारी शक्ति वंदन'' जैसे प्रयासों से महिलाओं के लिए असीमित अवसर खुलेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि महिलाएँ न केवल लाभार्थी बनें, बल्कि नवाचार के माध्यम से रोजगार प्रदाता बनें।

अपना प्रेरक अनुभव साझा करते हुए श्रीमती प्रतिभा तिवारी ने बताया कि कैसे

2016 में 'भूमिशा ऑर्गेनिक्स' के माध्यम से उनकी यात्रा शुरू हुई और आज जैविक खेती और 'मिलेट्स' (श्रीअन्न) के क्षेत्र में उनकी एक अंतरराष्ट्रीय पहचान बन चुकी है। उन्होंने बताया कि 2022 में 'कृषिका नेचुरल्स' की स्थापना कर उन्होंने मिलेट्स के क्षेत्र में नवाचार किया और उनके द्वारा तैयार मिलेट सॉफ्ट-सर्व आइसक्रीम (कोदो और रागी से निर्मित) ने न केवल देश में बल्कि जी-20 शिखर सम्मेलन में विदेशी प्रतिनिधियों का भी दिल जीत लिया तथा वर्तमान में मिलेट्स से बने 28 से अधिक उत्पाद जैसे कुकीज़, केक, पफ और प्रीमिक्स 'अम्मा द टेस्ट ऑफ ट्रेडिशन' ब्रांड नाम से बाजार में पहुँचा रही हैं।

उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में मध्य प्रदेश से दक्षिण अमेरिका को 58 मीट्रिक टन आलू और बहरीन को प्याज का निर्यात किया गया है। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि उनके साथ 1200 से अधिक किसान और 250 से अधिक महिलाएँ जुड़ी हुई हैं और प्रदेश के 76 गाँवों में छोटे और सीमांत किसानों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

उप संचालक सुनील वर्मा तथा सहायक संचालक निहारिका मीना एवं हिमांशी को मिलेगा सम्मान

7 महिला पत्रकारों को मिलेगा अचला एवं उदिता अवार्ड

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया के भोपाल चैप्टर द्वारा 26 अप्रैल को आयोजित किये जाने वाले राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के कार्यक्रम में जनसंपर्क विभाग के उप संचालक श्री सुनील वर्मा, सहायक संचालक सुश्री निहारिका मीना, सहायक संचालक सुश्री हिमांशी बजाज, वरिष्ठ आंचलिक पत्रकार श्री मुन्ना लाल मिश्रा एवं चौधरी चरन सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ की रिसर्च एसोसिएट डॉ. बीनम यादव को लोक संपर्क सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान सीएमई हॉल (जे.के.हॉस्पिटल), एलएनसीटी यूनिवर्सिटी परिसर में प्रातः 10:30 बजे से आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा।

पीआरएसआई भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष श्री मनोज द्विवेदी ने बताया है कि राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ''जनसंपर्क : लोकतंत्र का पॉंचवा स्तंभ'' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। पीआरएसआई भोपाल चैप्टर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के पत्रकारिता मीडिया, टी.वी. मीडिया और कॉर्पोरेट मीडिया में कार्यरत महिला पत्रकारों, टी.वी. एंकरों को अचला और उदिता सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक श्री गिरिजा शंकर, प्रख्यात साहित्यकार डॉ. उर्मिला शिरीष एवं कुलगुरू (वाइस चांसलर) एलएनसीटी यूनिवर्सिटी डॉ. नरेन्द्र कुमार थापक विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

इन्हें मिलेगा अचला-उदिता सम्मान : श्रीमती योजना लाड़, सुश्री निधि परमार, सुश्री ऋषिता तोमर, सुश्री कोपल बरखाने, सुश्री साक्षी त्रिपाठी, सुश्री राशि श्रीवास्तव एवं सुश्री दीप्ति तोमर।

गौरतलब है कि पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया जनसंपर्क एवं संचार के क्षेत्र में विभिन्न संगठनों में कार्य करने वाले प्रोफेशनल्स की 70 वर्ष पुरानी एक राष्ट्रीय स्तर की संस्था है। इस संस्था के पूरे देश में लगभग 27 चेप्टर कार्यरत हैं।

भोपाल रेल मंडल में रेल सेवा पुरस्कार 2026 आयोजित

रेल मंडल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 43 कर्मचारियों को डीआरएम ने किया पुरस्कृत

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल रेल मंडल द्वारा 70वें रेल सप्ताह समारोह 2026 के अंतर्गत रेल सेवा पुरस्कार का आयोजन न्यू नर्मदा क्लब भोपाल में आयोजित किया गया। इस समारोह में भव्य सांस्कृतिक एवं लोकनृत्य प्रस्तुति की भी प्रस्तुति की गयी।

रेल सप्ताह समारोह पर भोपाल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी द्वारा चयनित कुल 43 रेल कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमे 13 विभागों के जिनमे इंजीनियरिंग विभाग से 9 कर्मचारी संजय धारे, पिंकी भांझी, कपिल

भावसा, सुनील कुमार, संजय कुमार चढोकार, राजीव कुमार पाराशर, अनस खान, गौरव राठौर, सतीश कुमार, परिचालन विभाग से 6 इब्राहिम खान, राजकुमार शर्मा, नृपेन्द्र सिंह, कमलेश कुमार, रिज़वान मोहम्मद, राकेश कुमार राय, यात्रिक डीजल शेड इटारसी से 2 कर्मचारी पवन प्रजापति, अशोक कुमार, यात्रिक (कैरिज वैगन विभाग) से 3 कर्मचारी सचिन, आशीष, सिद्धार्थ तिवारी, कार्मिक/अकार्मिक विभाग से 3 कर्मचारी शबीना अली, शिवराज मीना, सन्त्री ए मैथ्यू, टीआरओ विभाग से 4 कर्मचारी कमल किशोर पाटीदार, धर्मेंद्र कुशवाह, आनंद राव डोंगरे, अशोक कुमार अहिरवार, विधुत सामान्य विभाग से 2 कर्मचारी राकेश वर्मा, संजय मालवीय, विधुत टीआरएस विभाग से 1 कर्मचारी धर्मेंद्र कुमार, विधुत टीआरडी विभाग से 2 कर्मचारी राहुल जैन, सुनील अहिरवार चिकित्सा विभाग से 1 कर्मचारी विशाल अग्रवाल, लेखा विभाग से 2 कर्मचारी गौतम कुमार गौर, सुषमा मुदलियार, वाणिज्य विभाग से 3 कर्मचारी हेमन्त कुमार सोनी, महेश लिगायत, फईम उद्दीन, एसएण्डटी विभाग से 4 कर्मचारी अखिलेश विश्वकर्मा, रामकिशोर मीणा, सतेन्द्र सिंह, हितेश्वर यादव, आर.पी.एफ/सुरक्षा विभाग से निधि चौकसे शामिल रही। साथ ही मंडल रेल प्रबंधक द्वारा इस समारोह में विभिन्न श्रेणियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्टेशनों एवं इकाइयों को कुल 12 शील्ड प्रदान की गयी। प्रदान की गयी शील्ड इस प्रकार हैं-

उत्तम रख-रखाव हेतु स्टेशन - ब्यावरा राजगढ़, सर्वोत्तम इंजीनियरिंग डिपो - एसएसई/पवे/उत्तर/विदिशा, सर्वोत्तम डिपो (यांत्रिक/विद्युत) - डीजल लोको शेड, इटारसी, एसआरटी/आरएमएस/स्पाट रख-रखाव - वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर (सामा), कैरिज एंड वैगन, भोपाल, बड़े स्टेशन स्थित कॉलोनी का सर्वोत्तम रख-रखाव - बीना स्टेशन, रोड साइड स्टेशन कॉलोनी रख-रखाव - गंजबासौदा स्टेशन, सर्वोत्तम टीआरडी डिपो - बीना टीआरडी डिपो, ऊर्जा संरक्षण - ओएचएसएम भोपाल डिपो, सर्वोत्तम रनिंग रूम - 18 बंगला रनिंग रूम, इटारसी, सर्वोत्तम दूरसंचार डिपो - एस.एस.ई. (सिग्नल), बीना डिपो, सर्वोत्तम विद्युत डिपो - ओएचएसएम विदिशा डिपो, राजभाषा चल शील्ड - लेखा विभाग एवं डीजल शेड उपसमिति।

प्रदेश में 6 लाख घरों पर लगेंगे सौर ऊर्जा संयंत्र : मंत्री शुक्ला

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बताया है कि मध्यप्रदेश में 6 लाख घरों पर पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत सौर ऊर्जा संयंत्र लगाये जायेंगे। इसके लिये वेंडर्स से डिजिटल एग्रीमेंट भी किया जायेगा। इससे सौर संयंत्र की स्थापना लागत में कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिये सरकार कृत-संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

मंत्री शुक्ला ने बताया कि हितग्राही एवं वेंडर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड द्वारा विभिन्न शुल्कों में कमी लाने के लिये डिजिटल एग्रीमेंट किये जाने संबंधी याचिका मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग में लगाई थी। रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क, मीटर जांच शुल्क और इंस्टॉलेशन/कमीशनिंग शुल्क एवं अलग-अलग भौतिक अनुबंधों के स्थान पर डिजिटल एग्रीमेन्ट लागू करने के संबंध में मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने याचिका की सुनवाई के बाद डिजिटल एग्रीमेंट के लिये आदेश पारित कर दिया है।

अनमोल वचन

जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।
स्वामी विवेकानंद

राजा, गुरु, मित्र की पत्नी तथा सास माता के समान होती है। इनसे अवैध संबंध रखने वाला महापापी होता है।
चाणक्य

नारी नेतृत्व, डिजिटल सुशासन और विकसित भारत का संकल्प

प्रो. एस. पी. सिंह बघेल

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में पंचायती राज को नई ऊर्जा और दिशा मिली है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सत्ता केवल दिल्ली के गलियारों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के अंतिम गांव की दहलीज़ तक पहुंचे। 'विकसित भारत 2047' का विजन 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों की मजबूत नींव पर आधारित है, जो देश की लगभग 64 प्रतिशत जनसंख्या की जीवनरेखा हैं।

जब कोई राष्ट्र अपनी जड़ों को सींचता है, तो उसकी शाखाएं आसमान छूती हैं। भारत की वे जड़ें उसकी पंचायतें हैं और उन पंचायतों की आत्मा आज उसकी महिलाएं हैं। 24 अप्रैल 1993 को 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से जब गांवों की सरकार को संवैधानिक मान्यता मिली, तो भारतीय लोकतंत्र ने एक नया अध्याय लिखा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में पंचायती राज को नई ऊर्जा और दिशा मिली है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सत्ता केवल दिल्ली के गलियारों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के अंतिम गांव की दहलीज़ तक पहुंचे। 'विकसित भारत 2047' का विजन 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों की मजबूत नींव पर आधारित है, जो देश की लगभग 64 प्रतिशत जनसंख्या की जीवनरेखा हैं।

लोकतंत्र की पाठशाला: नारी नेतृत्व का उदय राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 2026 एक विशेष गौरव के साथ मनाया जा रहा है। नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री जी ने पंचायती राज संस्थाओं को देश में महिला नेतृत्व की सबसे बड़ी पाठशाला बताया – यह उस वास्तविकता की स्वीकृति थी जो आज ग्रामीण भारत में प्रतिदिन घटित हो रही है।

देशभर में पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित प्रतिनिधियों की कुल संख्या 32 लाख से अधिक है। वर्तमान में उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, 24,41,781 निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 12,14,885 महिलाएँ हैं, जो कुल का लगभग 49.75 प्रतिशत हैं। 21 राज्यों तथा 2 केन्द्र शासित प्रदेशों ने पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत तक आरक्षण लागू किया है। पिछले चार वर्षों में संचयी रूप से 33.50 लाख महिला प्रतिनिधियों को नेतृत्व एवं सुशासन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया है – और 2025–26 में ही 9.37 लाख महिला प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 47.7 प्रतिशत की वृद्धि है।

सशक्त पंचायत नेत्री अभियान और नारी शक्ति वंदन अधिनियम: 'सशक्त पंचायत नेत्री अभियान' महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनकी संवैधानिक जिम्मेदारियों, अधिकारों और नेतृत्व क्षमताओं के प्रति सजग और सक्षम बनाता है। 'महिला–हितैषी ग्राम पंचायत' और 'निर्भय रहो' जैसी पहलें महिलाओं को जमीनी लोकतंत्र में सुरक्षित और सशक्त भागीदारी के लिए प्रेरित कर रही हैं। 'निर्भय रहो' निर्भया फंड के अंतर्गत संचालित है और यह कानूनी जागरूकता, सामाजिक संवेदनशीलता एवं तकनीकी सशक्तिकरण को एकीकृत करते हुए ग्रामीण शासन में महिलाओं और बालिकाओं के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित कर रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम – लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करते हुए – भारतीय लोकतंत्र में उनकी भूमिका को स्थायी और सशक्त रूप से स्थापित करता है। पंचायतों की पाठशाला में तैयार महिला नेतृत्व ही विधानसभाओं और संसद में बदलाव की वाहक बनेगी।

सोलहवाँ वित्त आयोग: संसाधनों में अभूतपूर्व वृद्धि–वित्तीय सशक्तिकरण किसी भी संस्था की कार्यक्षमता की आत्मा होती है। 16वें वित्त आयोग ने 2026 से 2031 की अवधि के लिए ग्रामीण स्थानीय निकायों को 4.35 लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक आवंटन किया है – जो 15वें वित्त आयोग की तुलना में 84 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2026–27 में ही 1.40 लाख करोड़ रुपये का अनुदान आवंटित है। यह वित्तीय सुदृढ़ता पंचायतों को केवल खर्च करने की क्षमता नहीं देती, बल्कि उन्हें विकास के एजेंडा को स्वयं निर्धारित करने का आत्मविश्वास भी प्रदान करती है। स्व–स्रोत राजस्व नीति और प्रदर्शन–आधारित अनुदान ने पंचायतों में जवाबदेही और प्रतिस्पर्धा – दोनों को एक साथ प्रोत्साहित किया है।

समावेशी और पारदर्शी शासन: 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मार्गदर्शक मंत्र पंचायती राज मंत्रालय के प्रत्येक कदम का आधार है। ई–ग्राम स्वराज मंच के माध्यम से देशभर की ग्राम पंचायतों ने 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऑनलाइन भुगतान संसाधित किए हैं। सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली से एकीकृत यह मंच प्रत्येक लेनदेन को सीधे विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं तक वास्तविक समय में पहुंचाता है। 2.5 लाख से अधिक पंचायतों और 1.6 करोड़ वेंडर्स का इससे जुड़ना डिजिटल सुशासन की व्यापक स्वीकृति का प्रमाण है। वर्ष 2025–26 में 2.5 लाख से अधिक पंचायतों ने सतत् विकास लक्ष्यों को 9 थीम्स में विभाजित कर अपनी विकास योजनाएँ स्वयं तैयार कीं – ग्रामीण विकास को लक्ष्य–उन्मुख और परिणाम–केंद्रित बनाते हुए।

पेसा रैंकिंग: अनुसूचित क्षेत्रों में स्वशासन की नई पहल– पंचायती राज मंत्रालय ने पहली बार 25 जनवरी 2026 को वर्ष 2024–25 के लिए पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (पेसा) के अंतर्गत राज्यों के प्रदर्शन की राज्यवार रैंकिंग जारी की। इसका उद्देश्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करना तथा अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा आधारित स्वशासन को मजबूत करना है। इस रैंकिंग में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश फ्रंट रनर श्रेणी में रहे; राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना परफॉर्मर श्रेणी में रखे गए हैं, जबकि आंध्र प्रदेश और गुजरात आकांक्षी श्रेणी में शामिल हैं। यह रैंकिंग दस पेसा राज्यों – आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना – की प्रगति, क्षमता और संभावनाओं को रेखांकित करती है। सहकारी संघवाद की भावना के अनुरूप, मंत्रालय पेसा के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्यों के साथ निरंतर समन्वय और सहयोग कर रहा है।

सभासार और एआई–सक्षम शासन: जनभाषा में जनतंत्र की आवाज: पंचायती राज मंत्रालय ने कृत्रिम मेधा को शासन के केंद्र में लाकर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया है। 14 अगस्त 2025 को लॉन्च 'सभासार' अब 23 भारतीय भाषाओं में ग्राम सभा की कार्यवाही दर्ज करता है। 1,11,486 ग्राम पंचायतें इसका उपयोग कर चुकी हैं – भाषा अब भागीदारी के मार्ग में बाधा नहीं।

स्वामित्व योजना: संपत्ति अधिकारों से आर्थिक सशक्तिकरण– स्वामित्व योजना ने ड्रोन सर्वेक्षण के माध्यम से 3.30 लाख गांवों में सर्वे पूरा कर 3.13 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड तैयार किए हैं। यह ग्रामीण परिवारों को बैंक ऋण और औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ रहा है, संपत्ति को आर्थिक संपदा में बदलने का अवसर दे रहा है, भूमि एवं संपत्ति से जुड़े विवादों को कम कर रहा है, और ग्राम पंचायतों के लिए एक स्थायी तथा पारदर्शी राजस्व स्रोत के रूप में उभर रहा है।

संस्थागत क्षमता निर्माण: राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत 2022–23 से अब तक संचयी रूप से 1.62 करोड़ से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है।

सम्पादकीय

दीदी जाने वाली है भाजपा आने वाली है?

भारत में आजादी के बाद पहली बार मतदान का एक ऐसा रिकॉर्ड बना है, जो ना भूतो ना भविष्यति की तरह है। प्रथम चरण के मतदान के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया है, प्रथम चरण की जिन 154 सीटों में जो मतदान हुआ है उसमें बीजेपी 120 सीटों पर जीत रही है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव का नॉरेटिव बनाकर महिला आरक्षण बिल को आधार बनाकर बीजेपी ने चुनाव लड़ा है। चुनाव के दौरान संसद का विशेष सत्र बुलाकर परिसीमन और जनगणना के मुद्दे पर जो संशोधन बिल प्रस्तुत किया था। बिल को महिला आरक्षण से जोड़कर प्रचारित किया गया। महिला आरक्षण बिल अस्तित्व में है। इसके बाद भी जब यह बिल संसद से दो तिहाई बहुमत से पास नहीं हो पाया। उसके बाद भाजपा ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन का मुद्दा बनाया। महिला आरक्षण के नाम पर बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार किया। जो मतदान हुआ है, उस पर भाजपा का दावा है, महिलाओं ने भाजपा के पक्ष में पश्चिम बंगाल में बढ़ चढ़कर मतदान किया है। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 86 फ़ीसदी रिकॉर्ड मतदान हुआ है। तमिलनाडु में भी महिलाओं ने एनडीए के पक्ष में मतदान किया है, यह दावा भाजपा द्वारा किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव के पहले, इसी तरह का नॉरेटिव बनाकर भाजपा अप्रत्याशित रूप से चुनाव जीतती रही है। इस बार भी भाजपा को भरोसा है, वह पश्चिम बंगाल में पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही हैं। ठीक इसके विपरीत ममता दीदी का दावा है। इस बार महिलाओं ने एसआईआर के नाम पर जिस तरह से करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। तार्किक विसंगति के नाम पर लगभग 64 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग किए गए हैं। बंगाल के मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए पिछले 3 महीने से परेशान हो रहे हैं। किसी भी स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हुई। प. बंगाल के करोड़ों मतदाता इस प्रक्रिया में काफी परेशान थे। अंतोंगत्वा 34 लाख से ज्यादा मतदाताओं को प. बंगाल में मतदान से वंचित रखा गया है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया बंगाल में हुई है। मतदाताओं को अपनी नागरिकता बचाने के लिए जो परेशानी उसे हुई है। बंगालियों को जिस तरह से परेशान किया गया है। उससे नाराज मतदाताओं ने इस बार टीएमसी के पक्ष में मतदान किया है। बंगाली स्मिता और नागरिक अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए कम्युनिस्ट विचारधारा के मतदाताओं ने भी टीएमसी के पक्ष में मतदान किया है। ममता बनर्जी का दावा है, भारी संख्या में जो मतदान हुआ है। वह एसआईआर के विरोध और बंगाली अस्मिता को बचाए रखने के लिए हुआ है। ममता बनर्जी का दावा है, वह भारी बहुमत के साथ चौथी बार अपनी सरकार बनाने जा रही हैं। बंगाल चुनाव पर गहरी नजर रख रहे राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है, इस बार का विधानसभा चुनाव परिणाम आश्चर्यचकित करने वाला होगा। पिछले 15 वर्षों के चुनाव परिणाम को देखने पर स्पष्ट है। कम्युनिस्ट विचारधारा के मतदाता प्रत्येक चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान कर रहे थे। इसका मुख्य कारण कम्युनिस्ट विचारधारा का कमजोर होना और भाजपा द्वारा सुनयोजित रूप से बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत करना था। कम्युनिस्ट पार्टी और टीएमसी के बीच में लगातार टकराव बढ़ने का फायदा भाजपा को पिछले 2 लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हुआ है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इस बार मामला उल्टा पड़ता हुआ दिख रहा है। जिस तरह से बेरोजगारी और महंगाई लगातार बढ़ रही है। जिस तरह से देश में घूसपेठियों के नाम बंगालियों को निशाने पर लिया गया है। उसके कारण बंगाली अस्मिता और एसआईआर के विरोध में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने भारी मतदान किया है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से चुनाव के पहिले भय का वातावरण, चुनाव के पहले चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों एवं हिंदू कट्टरता के नाम पर बनाया गया उससे पश्चिम बंगाल का मतदाता नागरिक अधिकारों को लेकर सजग हुआ है। पहली बार वामपंथी विचारधारा को छोड़कर ममता दीदी के पक्ष में मतदान किया है। पश्चिम बंगाल के इतिहास में ऐसा परिवर्तन पहली बार होता हुआ दिख रहा है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को पूंजीवादी विचारधारा का समर्थक माना जाता है। पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्ट पार्टी का कमजोर होना पूंजीवादी व्यवस्था का मजबूत होना भाजपा के पक्ष में था। अब, जिस तरह से निम्न वर्ग नागरिकता, बेरोजगारी और महंगाई का सामना कर रहा है, उससे पश्चिम बंगाल का मतदाता भाजपा से भारी नाराज है। प्रथम चरण के मतदान में जिस शांति के साथ भारी संख्या में घरों से निकलकर मतदाताओं ने मतदान किया है। उससे यह संकेत मिल रहा है, इस बार पश्चिम बंगाल में ऐसा कुछ होने जा रहा है, जो भविष्य में प. बंगाल एवं देश की राजनीति को नई दिशा देगा। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। बांग्लादेश के चुनाव में जिस तरह के हालत थे। बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने जिस तरह से प्रधानमंत्री शेख हसीना के पक्ष में काम किया था। उसके बाद बांग्लादेश में विद्रोह हुआ, शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भारत में शरण लेना पड़ी। एसआईआर के नाम पर लाखों मतदाताओं के वोट काटने की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया पश्चिम बंगाल में हुई है। बंगाली समुदाय स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से लेकर अभी तक के हर मामले में मुखर रहता आया है। प्रथम चरण के मतदान में जिस तरह के रुझान आए हैं, वह बहुत कुछ कह रहे हैं। परिणाम आने के बाद प्रदेश एवं देश में इसकी तीव्र राजनैतिक प्रतिक्रिया होना तय है।

बढ़ते कैंसर मरीजों के उपचार में 'मेक इन इंडिया' बना वरदान

श्रीविवेकतिवारी, प्रिंसिपलइनवेस्टर, टूविसटेक्नोलॉजी जप्राइवेटलिमिटेड

ये डॉक्टरों को शरीर में कहीं भी छिपे कैंसर ट्यूमर को बिना चीरा लगाये अविश्वसनीय सटीकता के साथ हटाने में सहायता करते हैं। ये मशीनें उच्च तीव्रता वाली एक्स–रे या इलेक्ट्रॉन बीम उत्पन्न करती हैं,जिन्हें चिकित्सक ट्यूमर को लक्षित करने और आसपास के स्वस्थ ऊतकों की रक्षा के लिए सटीक रूप से आकार देते और नियंत्रित करते हैं। LINAC–आधारित उपचार विश्व भर में वयस्क कैंसर मामलों के इलाज की सहायक या पैलिएटिव देखभाल का आधार बनता जा रहा है।

रेडियो थेरेपी मांग पूरी करने के लिए 1500 से अधिक लीनियर एक्सेलेरेटरों की जरूरत श्रीविवेकतिवारी, प्रिंसिपल इन वेस्टर,टूविस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड भारत में जैसे–जैसे कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों तक त्वरित और कारगर उपचार मुहैया कराना चुनौतीपूर्ण कार्य बनता जा रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद भारत विकिरण चिकित्सा संसाधनों की भारी कमी से जूझ रहा है। हालांकि अब इस दिशा में 'मेक इन इंडिया' के अभियान ने आशा की एक किरण जगाई है। लीनियर एक्सेलेरेटर या एलआईएनएसी आधुनिक कैंसर विकिरण उपचार के वास्तविक कार्यकर्ता के रूप में सामने आया है। ये डॉक्टरों को शरीर में कहीं भी छिपे कैंसर ट्यूमर को बिना चीरा लगाये अविश्वसनीय सटीकता के साथ हटाने में सहायता करते हैं। ये मशीनें उच्च तीव्रता वाली एक्स–रे या इलेक्ट्रॉन बीम उत्पन्न करती हैं,जिन्हें चिकित्सक ट्यूमर को लक्षित करने और आसपास के स्वस्थ ऊतकों की रक्षा के लिए सटीक रूप से आकार देते और नियंत्रित करते हैं। एलआईएनएसी–आधारित उपचार विश्व भर में वयस्क कैंसर मामलों के इलाज की सहायक या पैलिएटिव देखभाल का आधार बनता जा रहा है।

यह तकनीक इंटेंसिटी–मॉड्यूलेटेड रेडिएशन थेरेपी , वॉल्यूमेट्रिक–मॉड्यूलेटेड आर्क थेरेपी और इमेज–गाइडेड रेडिएशन थेरेपी जैसी उन्नत तकनीकों का आधार है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, देश भर में केवल लगभग 790 उच्च–वोल्टेज यूनिट्स हैं। एलआईएनएसी प्लस कोबाल्ट मशीनें, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भारत की जनसंख्या और कैंसर बोझ के लिए सुझाई गई संख्या के आधे से थोड़ा अधिक ही हैं। 2023 की जरूरतों की समीक्षा में 554स्थानों पर लगभग 823 मशीनें काम कर रही थीं, उनमें से लगभग दो–तिहाई जगहों पर केवल एक–एक यूनिट ही चल रही है। हालांकि इस उपचार को सभी लोगों तक पहुंचाना चुनौतीपूर्ण कार्य है।अधिकांश एलआईएनएसी बड़े शहरों और टियर–1 केंद्रों में निजी सेटअप्स में केंद्रित हैं, जिससे 80% लोगों को देखभाल के लिए दूर जाना पड़ता है। इसका परिणाम देर से होने वाली शुरुआत, मरीजों द्वारा बीच में छोड़ना और अनावश्यक रूप से बीमारी का बिगड़ना है।यह रूकावट गांवों या छोटे शहरों के उन लोगों को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं जो लंबी यात्राओं, आवास आदि का खर्च नहीं उठा सकते।

लेकिन अब भारत का 'मेक इन इंडिया' अभियान इस अंतर को पाटने के लिए स्थानीय एलआईएनएसी प्रोडक्ट को गति दे रहा है। इसमें सिद्धार्थ– !! जैसे स्वदेशी मॉडलभी हैं, जो अब रोगियों के लिए अनुमोदित हैं और विदेशी मॉडलों के बराबर हैं। ये स्थानीय यूनिट्स नियमित बाह्य बीम थेरेपी के लिए मध्यम ऊर्जा (लगभग 6)का उपयोग करती हैं। वे बीम गुणवत्ता, खुराक सटीकता और उपचार सॉफ्टवेयर के लिए वैश्विक मानकों को पूरा करती हैं। (सोसायटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एंड रिसर्च), फंडेड समूहों जैसी टीमें इस प्रयास का नेतृत्व कर रही हैं। विकिरण मशीनों के अलावा, वे 1.5 टेस्ला एमआईआर स्कैनर जैसे एड–ऑन भी बना रही हैं। लक्ष्य स्पष्ट है। आयात निर्भरता कम करना, नॉलेज शेयर करना और राष्ट्रव्यापी थेरेपी रोलआउट के लिए प्रारंभिक और निरंतर खर्चों को कम करना।

'मेक इन इंडिया' में एलआईएनएसी रोगियों और देखभाल नेटवर्क के लिए चार प्रमुख लाभ हैं। इससे सबसे पहले खरीद और रखरखाव लागत कम होती है, ताकि सार्वजनिक या निजी स्थानों पर समग्र योजनाओं को सस्ता बनाया जा सके और लोगों पर वित्तीय बोझ कम हो। दूसरा, उन्हें भारत में ही बनाना डिलीवरी को तेज करता है और ग्लोबल सप्लाई चेन की समस्याओं से बचाता है, जिससे सबसे बड़े अंतर वाले टियर–2 और टियर–3 शहरों में तेजी से मशीनों की स्थापना संभव हो। इसके अलावा, यह स्वदेशी उत्पादन मरम्मतकर्ताओं, तकनीशियनों और पेशेवरों का स्थानीय नेटवर्क विकसित करता है, जो मशीनों की विश्वसनीयता बढ़ाता है और डाउनटाइम कम करता है। ये वहांमहत्वपूर्ण है जहां एक यूनिट एक ही दिन में बड़ी संख्या में रोगियों को संभालती है। यह भारत की देखभाल प्रणालियों, नियमों और बजटों के अनुरूप एलआईएनएसी के लिए नई प्रगति के लिए स्वदेशी कौशल निर्माण करता है। यह बदलाव भारत को फैंसी थेरेपी तकनीक का शीर्ष खरीदार से क्षेत्र में बजट–अनुकूल, सिद्ध एलआईएनएसी का प्रमुख स्रोत बना सकता है।

भारत में बढ़ते कैंसर मामलोंको देखते हुए एलआईएनएसी थेरेपी की व्यापक पहुंच और निष्पक्ष वितरण के लिए प्रयास तत्काल आवश्यक हो गया है। डब्ल्यूएचओ मशीन लक्ष्यों के आधे से कम होने और शहर–ग्रामीण विभाजन के बीच, आयात अकेले पर्याप्त नहीं हैं। स्वदेशी से लेकर सटीक नीतियों और फंडिंग तक 'मेक इन इंडिया' स्ह्ब्ह्ष्ट को बढ़ावा देकर, लाखों भारतीय रोगियों को अधिक आसानी से, सस्ते और विश्वसनीय रूप से उपचारात्मक और आरामदायक विकिरण प्रदान कर सकती है।

अनुसंधान और विकास में भारत की बढ़ती पहल

डॉ. विजय अग्रवाल

कुछ ही दिन पहले केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयुष गोयल ने देश को एक बहुत ही उत्साहजनक खबर दी है। उन्होंने बताया कि सन् 2024–25 के वित्तीय वर्ष में भारत ने पेटेंट के लगभग एक लाख पैंतालीस हजार आवेदन दाखिल किए। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पेटेंट के आवेदन पत्रों की यह संख्या पिछले साल के वित्तीय वर्ष की तुलना में तीस प्रतिशत अधिक है। उन्होंने इसके कारण की चर्चा करते हुए अपने 'एसओ पर लिखा है कि यह सकारात्मक बदलाव 'स्टार्टअप इंडिया' तथा 'मेक इन इंडिया' की बढ़ती हुई संस्कृति के कारण आया है। निश्चित रूप से इससे ज्ञान पर आधारित अर्थव्यवस्था के बारे में एक अच्छे भविष्य की धारणा बनती है। लेकिन यदि हम इसे वैश्विक नजरिए से देखें, तो हम अभी भी काफी पीछे हैं। पेटेंट के मामले में चीन पहले नंबर पर और अमेरिका दूसरे नंबर पर है। तीसरे और चाथे नंबर पर क्रमश: जापान और साउथ कोरिया आते हैं। जनसंख्या की दृटि से जापान और साउथ कोरिया बहुत ही छोटे देश हैं। चीन की आबादी भारत के लगभग–लगभग बराबर और अमेरिका की आबादी भारत से लगभग एक चौथाई है। इसके बावजूद यदि इन देशों की अर्थव्यवस्था इतनी अधिक मजबूत है, तो इसका मुख्य श्रेय वहाँ के अनुसंधान एवं विकास को ही जाता है। दक्षिण कोरिया अनुसंधान और विकास पर दुनिया का सबसे अधिक खर्च करने वाला देश है। वह अपनी जीडीपी का 4.5 प्रतिशत खर्च करता है। अमेरिका, जो पहले से ही आर एंड डी के मामले में इतनी उन?नत स्थिति में है, अपनी जीडीपी का 2.8 प्रतिशत और चीन अपनी जीडीपी का 2.47 प्रतिशत खर्च कर रहा है। यहाँ गौर करने की बात यह है कि सन 1980 के आसपास भारत और चीन की प्रतिव्यक्ति आय एक जैसी ही थी। लेकिन पिछले चार दशकों में उसने आर एंड डी पर बहुत अधिक काम किया। इसके परिणामस्वरूप वह आज अमेरिका जैसे देशों को भी टक्कर देने की स्थिति में है। लेकिन जब इन आंकड़ों की तुलना हम भारत के आंकड़ों से करते हैं, तो वह देश, जो कभी 'विश्व गुरु' कहलाता था, बहुत दयनीय स्थिति में दिखाई देता है। हम अपनी जीडीपी का मात्र 0.67 प्रतिशत ही खर्च करते हैं। जबकि वैश्विक आंकड़ा ही 1.79 प्रतिशत का है। यानि कि हमारा खर्च विश्व के औसत का मात्र तीस प्रतिशत है। यह एक बहुत बड़ा कारण है कि हमारी अर्थव्यवस्था बहुत तेजी के साथ उस ऊँचाई को छू नहीं पा रही है, जिसे छूने की क्षमता हममें है। उदाहरण के तौर पर हम इसरो को ले सकते हैं, जिसने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में दुनिया के सामने सफलता के जबर्दस्त उदाहरण पेश किया है। पिछले कुछ सालों से रक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में भी हमने गजब का काम किया है। कोरोना के समय इतनी जल्दी वैक्सीन का निर्माण और उत्पादन करके भारत ने पूरी दुनिया को चकित कर दिया था। यूपीआई के द्वारा भारत ने भुगतान करने की जो प्रणाली विकसित की है, वह डिजीटल के क्षेत्र में हमारे बहुत बड़े कमाल को प्रदर्शित करती है। ये सफलताएं बताती हैं कि हमारे लोगों में टेलेंट तो है, परन्तु जरूरत है तो इस टेलेंट के सही इस्तेमाल करने और उसके अधिक उपजाऊ वातावरण की। इसके लिए निजी क्षेत्र को पूरे जोशखरोश के साथ आगे आना चाहिए। अभी भी अनुसंधान और विकास पर हमारे यहाँ जो भी खर्च हो रहा है, उसमें निजी क्षेत्र का योगदान मात्र छत्तीस प्रतिशत ही है।

(लेखक भारतीय सूचना सेवा के पूर्व अधिकारी हैं. प्रेस सूचना ब्यूरो में एडिशनल डायरेक्टर जनरल के पद पर थे।85 से अधिक पुस्तकों के लेखक हैं।)

खास बात

भाजपा की रणनीति का मुकाबला सारा विपक्ष मिलकर भी नहीं कर सकता?

भारतीय जनता पार्टी और उनके अनुवांशिक संगठन 24×7× 365 दिन केवल चुनाव जीतने की रणनीति बनाते हैं।इस रणनीति में साम– दाम–दंड–भेद का उपयोग किया जाता है।भाजपा की रणनीति का मुकाबला सारे विपक्षी दल मिलकर भी नहीं कर सकते हैं।विपक्ष के पास रणनीति बनाने वाले ना तो जानकार हैं।नाही उनके पास पैसा धेला है।रही सही कसर मीडिया पूरी कर देता है।विपक्ष पूरी तरह से गोदी मीडिया से बाहर है।मुकाबला करने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का संरक्षण सत्ता पक्ष के पास है।ऐसी स्थिति में भाजपा को चुनाव में हरा पाना विपक्ष के लिए इस जन्म में संभव नहीं है।इस बात को विपक्षी दल भी मानने लगे हैं।यह चर्चा अब विपक्षियों के बीच हताशा के रूप में देखने को मिल रही है।विपक्ष अब पूरी तरह से भगवान भरोसे है।

नितीश बाबू ना घर के न घाट के

पुत्र मोह में नितीश बाबू ना घर के रहे, ना घाट के रहे।मुख्यमंत्री पद से हाथ धोना पड़ा।अपने पुत्र को वह उपमुख्यमंत्री भी नहीं बना पाए।समझा जा सकता है,उन्होंने पुत्र मोह में पडकर जो निर्णय लिए।वह उनके खिलाफ चले गए।वह साजिश का शिकार होकर रह गए।उनके पुत्र निशांत की लॉन्चिंग अब किस तरह से होगी,यह बिहार में चर्चा का विषय बन गया है।निशांत मंत्रिमंडल विस्तार में यदि मंत्री बन भी जाते हैं।तो वह हमेशा राजनीति में भीड़ का हिस्सा बने रहेंगे।अभी तो नितीश बाबू का मुख्यमंत्री का पद चला गया।केवल राज्यसभा के सांसद बनकर रह गए हैं।

निशांत सीधे मुख्यमंत्री बनेंगे?

बिहार में चर्चा चल रही थी।मुख्यमंत्री पद से जब नितीश बाबू इस्तीफा देंगे।तब उनके पुत्र निशांत उप– मुख्यमंत्री बनेंगे।नितीश बाबू ने इस्तीफा दिया,वह अपने पुत्र को उप मुख्यमंत्री नहीं बना पाए।जनता दल से दो उपमुख्यमंत्री बने।लेकिन निशांत का नंबर नहीं लगा। निशांत यदि उप मुख्यमंत्री बनते, तो जनता दल यू में विभाजन हो जाता। अब नितीश बाबू कह रहे हैं, वह 6 महीने निशांत को अपने साथ लेकर बिहार के दौरे पर रहेंगे।जनता के आशीर्वाद से निशांत भविष्य में मुख्यमंत्री जरूर बनेगा।मुख्यमंत्री का लड़का मुख्यमंत्री नही बनेगा, तो कौन बनेगा तू कौन बनेगा तो कौन बनेगा?

विश्वगुरु को पाकिस्तान की चुनौती?

भारत अपने आप को विश्व गुरु बताता था।विश्व गुरु की ऐसी हालत पाकिस्तान करेगा? ऐसा किसी ने सोचा नहीं था।खाडी के देशों, ईरान, अमेरिका और चीन का जिस तरह से पाकिस्तान दुलारा और प्यारा बना हुआ है।हर जगह पाकिस्तान की पूछ परख हो रही है। पाकिस्तान ने विश्व गुरु की इमेज को गहरा धक्का पहुंचाया है।आतंकवादी देश पाकिस्तान, दुनिया के सबसे ताकतवर विश्व गुरु को इस तरह से चुनौती देगा।यह तो हमारे हुक्मरानो ने कभी सोचा नहीं था।जब समय खराब होता है।तब ऊंट पर बैठे हुए आदमी को भी कुत्ता काट लेता है।ऐसी कहावत है।यह कहावत चरितार्थ होते हुए दिख रही है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों एक महात्मा से किसी ने पूछा– ईश्वर का स्वरूप क्या है? महात्मा ने उसी से पूछ दिया–तुम अपना स्वरूप जानते हो? वह बोला– नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा– अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं–मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अत: अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा–बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं– यह गुलाबी है। नासिका कहती है– यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है– यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, नवमी, शनिवार, अश्लेषा नक्षत्रे, गर योगे, वालवकरणे, कर्क की चंद्रमा, श्री जानकी नवमी जानकी जन्म महोत्सव तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक धनीमानी, कुशल वक्ता–अधिवक्ता, शासक–प्रशासक, कुशल व्यापारी, उद्यमी, प्रवासी, धनवान, कीर्ति वाला, प्रबल उद्योगपति एवं मानी होगा।

मेष राशि– हर्ष, यात्रा, राजसुख, सफलता, हानि, खर्च अधिक होगा, व्यर्थ का विरोध होगा।

वृष राशि– विरोध, व्यय, कष्ट, अशांति, कार्यलाभ की स्थिति संतोषप्रद बनी ही रहेगी।

मिथुन राशि– व्यापार में क्षति, यात्रा, विवाद, गृहकार्य, राजकार्य, व्यवसाय पर ध्यान दें।

कर्क राशि– भूमि व राज–लाभ, वायु विकार का योग है, शरीर कष्ट होगा, ध्यान दें।

सिंह राशि– वाहनादि का भय, कष्ट, राजसुख, यात्रा, शिक्षा की स्थिति में विकास होगा।

कन्या राशि– व्यय, प्रवास, विरोध, भूमि–लाभ, उद्योग–व्यापार में अड़चने आयेंगी।

तुला राशि– कार्यसिद्धी, लाभ, विरोध, प्रगति के साथ कुछ अच्छे कार्य भी होंगे, संतान से प्रसन्नता मिले।

वृश्चिक राशि– रोगभय, मातृ–सुख, कष्ट, यात्रा, गृहकार्य व राजकार्य में रुकावट बनेगी।

धनु राशि– लाभ, धर्म रुचि, हर्ष, यश, यात्रा कार्य में रुकावट बढ़ेगी, ध्यान दें।

मकर राशि– विरोध, व्यापार में हानि, शरीर खर्च, धार्मिक खर्च बढ़ेंगे, कार्य में रुकावट होगी।

कुंभ राशि– व्यय, प्रवास लाभ, प्रतिष्ठा, रोग, सामाजिक कार्यों में रुकावट की अनुभूमि होगी।

मीन राशि– राजभय, यश, लाभ, मान, चोट–चपेट का भय, मित्रों व पारिवारिक लोगों से परेशानी होगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

25 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.42 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	08.40 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.53 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.09 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.21 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.32 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.47 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	22.03 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	00.08 बजे से
		कुंभ	01.54 बजे से
		मीन	03.27 बजे से
		मेष	04.58 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 115 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 18.29 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 20.05 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 23.43 बजे को समाप्त।
करण बालव 06.51 बजे तदनन्तर कौलव 18.29 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 7.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 13° 07'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872690
जूलियन दिन 2461155.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद
तारीख 07
विशेष सीता नवमी, जानकी जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

कलेक्टर वर्मा की सख्ती: स्कूल बसों की सुरक्षा में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

इंदौर ■ निसं

इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक वाहनों के सुरक्षित संचालन और शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना था। बैठक में जिले के विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, कॉलेजों के संचालक, निजी शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सचेत किया कि सुरक्षा प्रबंधों में किसी भी प्रकार की कोताही को स्वीकार नहीं किया जाएगा और लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के विषय पर किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रोशन राय, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा और जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी भार्गव सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी शैक्षणिक वाहनों की नियमित जांच अनिवार्य है। हर बस में अग्निशमन यंत्र का होना आवश्यक है। केवल उपकरण लगाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि स्कूलों को समय-समय पर सुरक्षा मॉक ड्रिल आयोजित करनी होगी ताकि आपात स्थिति में स्टाफ और विद्यार्थी बचाव के तरीकों से अवगत रहें। बसों में स्पीड गवर्नर लगाना अनिवार्य किया गया है ताकि गति नियंत्रित रहे। साथ ही, बच्चों को ड्राइवर के केबिन में बैठाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा और क्षमता से अधिक विद्यार्थी नहीं बैठाए जाएंगे। स्कूल संचालकों को ड्राइवरों के नाम, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड और लाइसेंस की जानकारी संकुल स्तर पर जमा करानी होगी।

मध्यान्ह भोजन सुरक्षा और पीएनजी के उपयोग पर जोर

स्कूलों में संचालित रसोई और मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था पर भी विशेष चर्चा की गई। कलेक्टर ने सुझाव दिया कि सुरक्षा की दृष्टि से स्कूलों की रसोई में पीएनजी कनेक्शन का उपयोग किया जाए। इसके साथ ही, भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए ताकि छात्रों को सुरक्षित और पौष्टिक आहार मिल सके।

यूनिफॉर्म और किताबों की मोनोपॉली पर रोक

अभिभावकों के हितों का ध्यान रखते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि स्कूल यूनिफॉर्म और किताबों की बिक्री में किसी भी प्रकार की मोनोपॉली या एकाधिकार व्यवस्था नहीं होनी चाहिए। ये सामग्रियां बाजार में सुगमता से उपलब्ध होनी चाहिए ताकि अभिभावकों को किसी विशेष दुकान या स्थान से खरीदने के लिए मजबूर न होना पड़े।

कॉलेजों में नशा मुक्ति के लिए बनेगी समितियां

उच्च शिक्षण संस्थानों और कॉलेजों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कलेक्टर ने विशेष समितियों के गठन के निर्देश दिए। ये समितियां परिसरों में निरंतर निगरानी रखेंगी और नशे की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले विद्यार्थियों या तत्वों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी।

बसों के संचालन के लिए विस्तृत निर्देश दिए

प्रशासन द्वारा बसों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। स्कूल बसों का रंग पीला होना और उन पर "स्कूल बस" लिखा होना अनिवार्य है। अनुबंधित बसों पर "ऑन स्कूल ड्यूटी" का बोर्ड होना चाहिए। बसों में फर्स्ट-एड बॉक्स, हॉरिजेंटल ग्रिल, जीपीएस और चालू हालत में सीसीटीवी कैमरे होना आवश्यक है। खिड़कियों पर पर्दे या काली फिल्म प्रतिबंधित रहेगी। बस चालकों के पास कम से कम 5 वर्ष का भारी वाहन चलाने का अनुभव होना चाहिए। छात्राओं के परिवहन के समय महिला अटेंडेंट या परिचालक की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। इसके अलावा, वर्षा ऋतु में जलभराव वाले पुलों से वाहन निकालने पर रोक और समय-समय पर चालकों की काउंसलिंग के निर्देश भी दिए गए हैं।

पक्षियों हेतु दाना-पानी अभियान

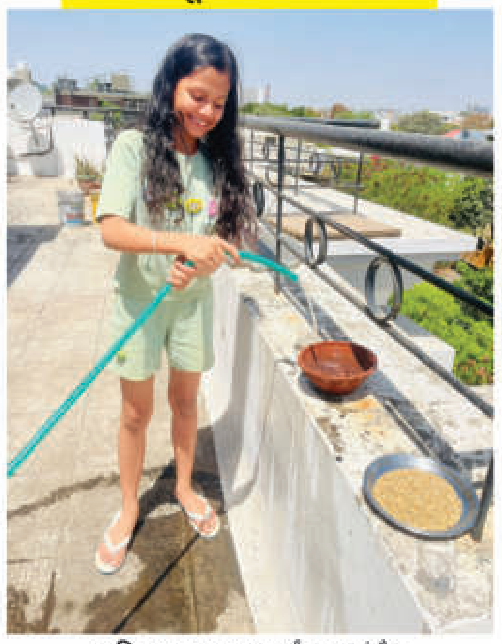

कनिष्का कुमावत, साईं कृपा इंदौर

भीषण गर्मी का कहर

प्यास से बेहाल वन्यजीव, इंदौर में बंदरों-नीलगाय का रेस्क्यू तेज

इंदौर ■ निसं

दिनोदिन बढ़ते तापमान के चलते प्रचंड गर्मी के मौसम में प्यास और पानी की कमी बंदर सहित अन्य वन्यजीवों पर आफत बनकर टूट रही है। वन विभाग के अनुसार पानी की तलाश में बंदर जंगलों से गांव-शहर की बस्तियों तक जा पहुंचे हैं। पानी नहीं मिलने पर पेड़ की शाखाओं से प्यास के चलते चक्कर खाकर गिर रहे हैं।

कल शाम को वन विभाग ने अरबिंदो अस्पताल के पीछे पालिया गांव वालों की सूचना पर मौके पर पेड़ से नीचे गिरकर घायल हुए एक बंदर का रेस्क्यू कर कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय, मतलब चिड़ियाघर पहुंचाया। वन विभाग की रेस्क्यू टीम में शामिल तोताराम चौहान, अमन मालवीय और अमित तोमर ने 3 बंदरों के रेस्क्यू के बारे में बताया कि इसके पहले वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने देपालपुर के पास 2 बंदरों का भी रेस्क्यू किया, मगर इनमें से एक बंदर की पेड़ के ऊपर से नीचे गिरने के कारण मौके पर ही मौत हो गई थी, मगर दूसरे बंदर का चिड़ियाघर में इलाज कराया गया।

कुल 3 में से 2 बंदर स्वस्थ हैं। फॉरेस्ट रेंजर संगीता ठाकुर ने बताया कि गर्मी के चलते पानी की तलाश में बंदर ही नहीं नीलगाय सहित अन्य वन्यजीव भी जंगल छोड़कर इधर-उधर भटकते फिर रहे हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर सियासी बवाल

नरेंद्र मोदी को लेकर टिप्पणी पर भाजपा का तीखा हमला

इंदौर ■ निसं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर राजनीति गरमा गई है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह की निम्न स्तरीय भाषा का उपयोग करना खड़गे और कांग्रेस की ओछी मानसिकता को दर्शाता है। उनका गैर जिम्मेदाराना बयान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गिनती विश्व के लोकप्रिय नेतागणों में होती हैं। वे हमारे देश की आन बान और शान है। खड़गे भी राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं।

भाजपा के शिविर में भाग लेने आए छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर देश की जनता ने चुना है। कांग्रेस के नेताओं को अपनी वाणी को संयत रखना चाहिए। खड़गे पहले भी उनके खिलाफ विवादित बयान दे चुके हैं। कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों में हमेशा बाधा बनती है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल को भी मंजूर नहीं होने दिया और इसका वह जश्न मना रही है। कांग्रेस को अपनी अमर्यादित टिप्पणी पर देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री यादव हुए शिविर में शामिल

मुख्यमंत्री मोहन यादव दोपहर तीन बजे इंदौर आए। वे एयरपोर्ट से सीधे डेली कॉलेज पहुंचे। यहां आयोजित भाजपा के एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में वे शामिल हुए। शिविर स्थल पर स्थानीय नेताओं ने उनकी अगवानी की। यादव ने शिविर को संबोधित भी किया और संगठन और सरकार से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी।

कार्तिक का बड़ा मिशन

कारगिल से कन्याकुमारी तक 4200 किमी दौड़

इंदौर ■ निसं

इंदौर के अल्ट्रा रनर कार्तिक जोशी एक और रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर रहे हैं। वे कारगिल से कन्याकुमारी तक 4200 किलोमीटर की यात्रा दौड़कर पूरी करेंगे। कार्तिक 50 दिनों तक हर दिन 84 किलोमीटर दौड़कर अपने लक्ष्य को पूरा करेंगे। 28 अप्रैल से वे अपनी दौड़ शुरू करेंगे। इसके लिए कार्तिक इंदौर से कारगिल के लिए रवाना हो चुके हैं।

वे 50 दिनों तक रोज करीब 84 किलोमीटर दौड़ते हुए कुल 4200 किलोमीटर की दूरी तय कर कारगिल से कन्याकुमारी तक जून माह के अंत तक पहुँचेंगे। यह कारनामा करने वाले वे सबसे कम उम्र के भारतीय धावकों में से एक होंगे। कार्तिक को इस दौड़ को पूरा करने के लिए अलग-अलग मौसमों का भी सामना करना होगा। कारगिल के बर्फीले इलाकों से दौड़ शुरू करेंगे, लेकिन कन्याकुमारी तक आते-आते उन्हें कई गर्म इलाकों से भी गुजरना होगा। पहाड़ी रास्तों, मैदानी सड़कों और समुद्री इलाकों के बीच से दौड़कर कार्तिक अपनी यात्रा पूरी करेंगे।

भोजशाला धार विवादः हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

98 दिन के सर्वे की वीडियोग्राफी सभी पक्षों को देने के निर्देश

इंदौर ■ निसं

धार भोजशाला मामले में अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को मुस्लिम पक्ष सहित अन्य पक्षकारों को सर्वे की वीडियोग्राफी मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। हाईकोर्ट ने 27 अप्रैल तक सभी पक्षों को वीडियो क्लिप्स उपलब्ध कराने को कहा है। एएसआई की तरफ से यह भी कहा गया कि इतने फुटेज उपलब्ध कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि सर्वे 98 दिनों तक चला है और हर दिन की वीडियोग्राफी की गई है। कोर्ट ने कहा कि तकनीकी माध्यमों के जरिए इसे उपलब्ध कराया जाए।

धार स्थित भोजशाला मामले में नियमित सुनवाई चल रही है। दो पक्षकारों ने अपने तर्क प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा एएसआई को भी पक्ष रखने का मौका दिया गया। अब मुस्लिम पक्ष ने अपने तर्क रखे हैं और फिर वीडियोग्राफी की पुरानी मांग दोहराई है।

हाईकोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) को आदेश दिया है कि भोजशाला में किए गए सर्वे की पूरी वीडियोग्राफी सभी पक्षों को उपलब्ध कराई जाए। कोर्ट ने कहा है कि 27 अप्रैल तक हर हाल में वीडियो क्लिप्स संबंधित पक्षों को दी जाएं, ताकि वे इन वीडियो के आधार पर अपने तर्क पेश कर सकें।

जब भोजशाला मामले में सुनवाई हुई थी, तब मुस्लिम पक्ष की तरफ से सर्वे की वीडियोग्राफी मुहैया कराने की मांग की गई थी। इसके अलावा इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट की शरण भी ली गई थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

अब सुनवाई के दौरान फिर मुस्लिम पक्ष ने यह मांग दोहराई, तो कोर्ट ने सभी पक्षकारों को वीडियो फुटेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस आदेश के बाद आने वाली सुनवाई में वीडियो फुटेज महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि इसी आधार पर दोनों पक्ष अपने दावे और तर्क मजबूत करेंगे।आपको बता दें कि 98 दिनों तक एएसआई ने भोजशाला में अलग-अलग तकनीकों से सर्वे किया है और 2000 पेज से अधिक की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में खुदाई में मिले अवशेष और उन पर अंकित चित्रों के फोटो भी शामिल किए गए हैं।

भागीरथपुरा पेयजल कांडः हाईकोर्ट सख्त, जांच आयोग को 14 जून तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

इंदौर ■ निसं

इंदौर के चर्चित भागीरथपुरा पेयजल दूषित कांड को लेकर बुधवार को हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट के समक्ष जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा। हाईकोर्ट ने 14 जून तक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। अगली सुनवाई 16 जून को होगी। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण 35 लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार ने मृतकों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा दिया है। इस मामले में हाईकोर्ट में दो याचिकाएं लगी हैं। कोर्ट ने इस मामले में जांच आयोग गठित किया है। पिछली सुनवाइयों में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जवाब पेश हुआ था। उसमें 18 मौतें दूषित पेयजल के कारण स्वीकारी गई थीं। इसके अलावा एक जांच समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसमें उन्होंने पेयजल लाइन में दूषित पानी मिलने व अन्य कारण बताए थे, लेकिन अभी तक इस मामले में गठित आयोग की तरफ से रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। आयोग भागीरथपुरा के प्रभावित परिवारों से साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कह चुका है।

लेंसकार्ट ड्रेस कोड विवादः वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन का इंदौर में प्रदर्शन, बहिष्कार का ऐलान

इंदौर ■ निसं

लेंसकार्ट की ड्रेस कोड नीति को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन मध्य प्रदेश ने इंदौर में कंपनी के शोरूम के बाहर प्रदर्शन करते हुए पूर्ण बहिष्कार का ऐलान किया। स्कीम-54 स्थित लेंसकार्ट शोरूम के बाहर हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें महिलाएं भी मौजूद रहीं। प्रदर्शनकारियों ने महिला कर्मचारियों को तिलक लगाया और कहा कि वे बिना किसी डर के अपने धार्मिक प्रतीकों के साथ काम करें। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने लेंसकार्ट के चश्मों का बहिष्कार करते हुए उन्हें तोड़कर विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम में सिद्धेश्वर धाम के पीठाधीश्वर स्वामी अतुल

आनंद महाराज भी मौजूद रहे और उन्होंने कंपनी की नीतियों का विरोध किया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने आरोप लगाया कि कंपनी की आंतरिक नीति में कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और कलावा जैसे हिंदू धार्मिक प्रतीकों के उपयोग पर रोक लगाई गई है, जबकि हिजाब को अनुमति दी गई है। उन्होंने इसे धार्मिक भेदभाव बताते हुए कड़ा विरोध जताया।

परदेशीपुरा में दर्दनाक घटना

युवती का सुसाइड, आखिरी मैसेज 'खुश रहना' ने छोड़े कई सवाल

इंदौर ■ निसं

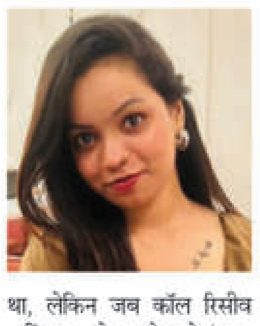

इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में एक 21 साल की एक युवती ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी, बताया जा रहा है कि आत्महत्या से ठीक पहले युवती ने अपने दोस्त को वीडियो कॉल किया था, लेकिन कॉल रिसीव न होने पर उसने एक आखिरी मैसेज 'खुश रहना' भेजा और फिर ये कदम उठा लिया।

दरअसल यह पूरा मामला इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के जनता क्वार्टर का है, जहां रहने वाली 21 वर्षीय नम्रता ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, आत्महत्या से पहले नम्रता ने अपने एक युवक दोस्त को वीडियो कॉल किया था, लेकिन जब कॉल रिसीव नहीं हुआ तो उसने उसे 'खुश रहना' लिखकर मैसेज किया, जिसके कुछ ही देर बाद उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, घटना की सूचना मिलते ही परदेशीपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा, पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग कनेक्शन की जांच तेज

इंदौर फिरौती कांड में आरोपी राजपाल प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया, बड़े खुलासे के संकेत

इंदौर ■ निसं

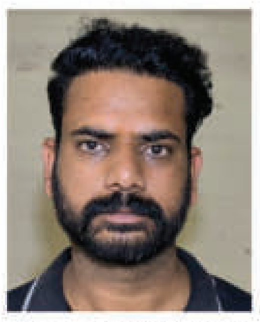

इंदौर में हाल ही में सामने आए करोड़ों की फिरौती के मामलों में अब बड़ा खुलासा होने की उम्मीद है। क्राइम ब्रांच ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर के एक साथी राजपाल को खरगोन से प्रोडक्शन वारंट पर इंदौर लाया है, जिसमें पुलिस को शक है कि इन हाई-प्रोफाइल फिरौती मामलों के तार गैंग से जुड़े हो सकते हैं।

दरअसल, इंदौर में पिछले दिनों दो अलग-अलग मामलों में करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी गई थी, जिसमें दो पार्टनरों से 10 करोड़ और एक उद्योगपति से 5 करोड़ रुपये की डिमांड की गई थी, खास बात यह रही कि ये फिरौती कॉल वीपीएन नंबर के जरिए किए गए थे, जिससे आरोपियों की लोकेशन ट्रेस करना मुश्किल हो गया था, पुलिस को जांच में यह भी पता चला कि इसी तरह का घटनाक्रम खरगोन में भी सामने आया था, जिसमें एक जैसा होने के चलते क्राइम ब्रांच को शक गहरा गया, इसी कड़ी को जोड़ने और पूरे नेटवर्क तक पहुंचने के लिए राजपाल को इंदौर लाया गया है।

दुकानों से लेकर फ्लैट तक मची अफरा-तफरी

शहर में आग का कहर : एक ही रात में 8 जगह आगजनी

इंदौर ■ निसं

शहर में जैसे-जैसे तापमान बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे आग लगने की घटनाएं भी बढ़ गई हैं। कल रात से आज सुबह तक आठ जगह आग लगने की घटनाएं हुईं। स्कीम 78 में पूजन सामग्री की दुकान एवं बाणगंगा में सुबह बैटरी की दुकान में आग लगी। मिली जानकारी के अनुसार कल रात 2 बजे के करीब स्कीम 78 पानी टंकी के पास स्थित शिवानी पिता सुरेंद्र पाठक की सांईनाथ फूल भंडार नामक पूजन सामग्री की दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। बताया जा रहा है कि दुकान के पास ही विद्युत ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ था। आग की चिंगारी दुकान पर गिरी, जिसने आग पकड़ ली। इस घटना में दुकान जलकर खाक हो गई।

मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने करीब 4.30 हजार लीटर पानी की मदद से आग पर काबू पाया। क्षेत्रीय रहवासियों ने भी आग बुझाने में मदद की। इसी प्रकार देर रात नेहरू नगर स्थित अमृतधाम गेट के पास एक फ्लैट में आग लगने की सूचना

पर दमकलकर्मी पहुंचे। हालांकि आग नीचे कचरे के ढेर में लगी थी, लेकिन धुआं फ्लैट तक पहुंच गया था। घटना के वक्त फ्लैट में एक महिला और उसका बच्चा सो रहे थे। शोर-शराबे की आवाज सुनक वे जाग गए थे और सुरक्षित नीचे आ गए थे। कुछ देर के लिए यहां अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

धमाके के साथ फटी बैटरियां

आज सुबह 4 बजे बाणगंगा क्षेत्र की वृंदावन कॉलोनी में एक बैटरी की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। दुकान में रखी कुछ बैटरियां धमाके से फट गईं। इस घटना में बैटरी के अलावा लैपटॉप, चार्जर, मशीन जली है। रंजन पिता रमाशंकर की यह दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गई। फायरकर्मियों ने मौके पर जाकर 15000 लीटर पानी तथा 5 लीटर फोम का उपयोग कर आग पर नियंत्रण पाया। बंगाली चौराहे पर रात 3 बजे एक दुकान में आग लगने की घटना हुई। मौके पर कोई नहीं मिला, जिससे आकलन नहीं हो पाया कि दुकान किसकी है। सुबह-सुबह 60 फीट रोड पल्हर नगर में एक पंक्चर पकाने की दुकान में आग लग गई, जिससे दुकान में रखा सामान व पुराने टायर जल गए।

संक्षिप्त समाचार

मास्टर्स नेशनल टेबल टेनिस, महाराष्ट्र और गुजरात का दबदबा

पुणे। बालेवाड़ी इंडोर स्टेडियम में शुरू हुई 32वीं मास्टर्स नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप के शुरुआती दो दौर में मेजबान महाराष्ट्र और मजबूत दावेदार गुजरात ने अपने शानदार खेल से सभी को प्रभावित किया है। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न आयु वर्गों में कड़े मुकाबले देखने को मिले, जहाँ महाराष्ट्र की टीमों ने अपनी घरेलू परिस्थितियों का भरपूर लाभ उठाते हुए नॉकआउट चरण की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। पुरुषों के 80+ आयु वर्ग के ग्रुप-ए में कर्नाटक ने महाराष्ट्र पर 3-1 की जीत के साथ चौंकाया, वहीं ग्रुप-बी में गुजरात ने मध्य प्रदेश और दिल्ली को शिकस्त देकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। 75+ श्रेणी में महाराष्ट्र ने अपना वर्चस्व कायम रखते हुए तेलंगाना और कर्नाटक को 3-0 के समान अंतर से पराजित किया।

एमआई के पास अभी भी प्लेऑफ का अवसर: कोच जयवर्धने

मुंबई। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि उनकी टीम के पास अभी भी प्लेऑफ में जाने का अवसर है, इसलिए टीम अगले सात मैचों के लिए पूरी योजना के साथ उतरेगी। मुम्बई की टीम को आईपीएल में सात में से पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। कोच ने सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के अलावा टीम के कई सदस्यों के टी20 विश्व कप में खेलने को लेकर हुई थकान की आशंकाओं को खराब प्रदर्शन का कारण नहीं माना है।

जडेजा जैसा प्रदर्शन कर उत्साहित है अकील

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे वेस्टइंडीज के अकील हुसैन आजकल बेहद खुश है। इसका कारण है कि वह अपने आदर्श रवींद्र जडेजा की जगह लेने में सफल होते जा रहे हैं। आज से 13 साल पहले अकील ने इच्छा जताई थी कि एक दिन वे भी अपने आदर्श की जडेज जैसे खिलाड़ी बनना चाहते हैं। उनका ये सपन इस बार सफल होता दिख रहा है। आईपीएल नीलामी में उन्हें सीएसके ने जडेजा के राजस्थान रॉयल्स जाने के कारण शामिल किया था। जडेजा के रॉयल्स में जाने के बाद टीम को एक बड़े ऑलराउंडर और बाएं हाथ के स्पिनर की जरुरत महसूस हो रही थी। इसी कारण अकील को जडेजा की जगह शामिल किया गया।

ISSF Junior WC: शांभवी-दिव्यांशु ने रचा इतिहास,

मिश्रित स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण जीता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम जोड़ी शांभवी क्षीरसागर और दिव्यांशु देवांगन ने 499.9 के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में भारत की झोली में चौथा गोल्ड मेडल आ गया है। 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम जोड़ी शांभवी क्षीरसागर और दिव्यांशु देवांगन ने 499.9 के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया।

इस जोड़ी ने इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 632.0 के साथ टॉप किया था। चीनी ताइपे की त्साई चीह-यिंग और चेन यू-एन ने 498.3 के साथ सिल्वर जीता, जबकि टिफेन पोम्स और गैसपार्ड लेसीयर की फ्रेंच जोड़ी ने 434.4 के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। जूनियर पुरुषों के 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल इवेंट में समीर ने क्वालिफाइंग राउंड में 573 के प्रयास के साथ फाइनल में जगह बनाई और वह दूसरे स्थान पर रहे।

फ्रांस के अर्नोद गामालेरी ने 589 पोस्ट करते हुए जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की और वह गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहे। फाइनल में समीर सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने आठ-सीरीज के फाइनल की पहली तीन पांच-शॉट सीरीज में सात हिट किए।

गामालेरी ने 29 हिट के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। काहिरा जूनियर वर्ल्ड कप में भारत के अब कुल 12 मेडल हो गए हैं, जिसमें 4 गोल्ड, 5 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। भारतीय टीम मेडल टैली में शीर्ष पर मौजूद है। टूर्नामेंट का अंत होने में अभी दो दिन बचे हुए हैं।

इससे पहले गुरुवार को, प्राची गायकवाड़ ने जूनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) इवेंट जीतकर गोल्ड मेडल को अपने नाम किया था। प्राची ओलंपिक इंटरनेशनल सिटी शूटिंग रेंज में जूनियर महिला 3पी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली अकेली भारतीय थीं। प्राची ने टूर्नामेंट में भारत को दूसरा गोल्ड मेडल दिलाया था।

इससे पहले 21 अप्रैल को शिव नरवाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट जीतकर देश को पहला गोल्ड मेडल दिलाया था। वहीं, नारायण प्रणव ने फाइनल में 229.5 के स्कोर के साथ जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया था।

अभय सिंह ने एलेइनिन को हराया, पहली बार पीएसए गोल्ड-लेवल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के अभय सिंह ने ज्यूरिख में खेले जा रहे ग्रासहॉपर कप स्क्वैश टूर्नामेंट में मिस्र के विश्व नंबर 13 अली अबू एलेइनिन को हराकर पहली बार पीएसए गोल्ड लेवल की प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज अभय दूसरे दौर के पहले गेम में 5-8 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करते हुए सातवीं वरीयता प्राप्त एलेइनिन को 12-10, 11-9 से मात दी। वीर चोटरानी हैम्बर्ग स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, अभय-रमित और जोशना हुए बाहर स्नूकर टूर्नामेंट : आदित्य, आयुष, मनन और बृजेश सेमीफाइनल में पहुंचे।

ऑस्ट्रेलिया पहुंचकर इलाज कर रहे कॉनोली

चंडीगढ। आईपीएल अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। उसके बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनोली चोटिल हो गये हैं। कूपर कॉनोली पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। कॉनोली ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और अपनी चोट का प्रबंधन कर रहे हैं पर साथ ही कहा कि जैसे ही वह फिट होने पंजाब की टीम से जुड़ जाएंगे। कॉनोली ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। जिससे उनकी कमी टीम को खलेगी। कॉनोली ने अपनी आक्रामक शैली और मैच जिताने की क्षमता का प्रदर्शन किया। पंजाब किंग्स के लिए, कॉनोली इस सीजन के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक बनकर उभरे थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिसमें गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रन की पारी रही है, जिसने टीम को एक कठिन लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। इसके अतिरिक्त, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उनकी 87 रन की तेज पारी ने भी टीम को दबाव की स्थिति से निकालकर जीत दिलायी। पंजाब किंग्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 में से 5 मुकाबले जीते हैं और आत्मविश्वास से लबरेज होकर अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज हैं। कॉनोली जैसे प्रभावशाली ऑलराउंडर की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन और रणनीति पर असर डालेगी। उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी की कमी टीम को मध्य क्रम में महसूस हो सकती है, और उनकी जगह भरना कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

जिला रैंकिंग टेबल टेनिस : मृदुल को दोहरी सफलता

सिद्धिदा और नेहल भी बनीं चैम्पियन

इंदौर ■ निसं

इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में अभय प्रशाल में आयोजित सत्र की प्रथम जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा के दूसरे दिन मृदुल पुरोहित का जबरदस्त दबदबा देखने को मिला। मृदुल ने शानदार खेल दिखाते हुए 15 वर्ष एवं 17 वर्ष आयु वर्ग के दोनों खिताब अपने नाम कर दोहरी सफलता अर्जित की। वहीं, बालिका वर्ग में भी कड़े मुकाबलों के बीच अंडर-15 में सिद्धिदा जैन और अंडर-17 में नेहल नाहर चैंपियन बनीं। स्पर्धा के शेष वर्गों के फाइनल मुकाबले शनिवार को खेले जाएंगे।

बालक वर्ग के फाइनल मुकाबलों में मृदुल पुरोहित ने अपनी तकनीक और चपलता का लोहा मनवाया। उन्होंने अंडर-15 आयु वर्ग के खिताबी मुकाबले में मित मिरोट को सीधे सेटों में 3-0 से पराजित किया। इसके तुरंत बाद बालक अंडर-17 वर्ग के फाइनल में मृदुल ने साकार भार्गव के विरुद्ध कड़ा संघर्ष करते हुए 3-1 से जीत दर्ज कर दूसरा स्वर्ण पदक झटक लिया। इससे पूर्व सेमीफाइनल में मृदुल ने लक्ष्य भार्गव को 3-0 से और साकार भार्गव ने रक्षित चौकसे को 3-2 से हराकर फाइनल का सफर तय किया था।

बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबलों में भी रोमांचक भिड़ंत देखने को मिली। अंडर-15 आयु वर्ग में सिद्धिदा जैन ने सान्वी सिंघल की चुनौती को 3-1 से ध्वस्त कर खिताबी जीत दर्ज की। वहीं, अंडर-17 आयु वर्ग में नेहल नाहर ने आरवी जैन को 3-1 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इससे पहले सेमीफाइनल में आरवी जैन ने सिद्धी भदौरिया को 3-1 से और नेहल नाहर ने सिद्धिदा जैन को 3-0 से पराजित किया था।

स्पर्धा के अंडर-19 वर्ग की स्थिति भी स्पष्ट हो गई है। बालक सेमीफाइनल में लक्ष्य भार्गव ने सार्थक खरे को 3-1 से और मृदुल पुरोहित ने मित मिरोट को 3-1 से हराकर खिताबी भिड़ंत पक्की की। इसी तरह बालिका अंडर-19 वर्ग के अंतिम चार के मुकाबलों में नेहल नाहर ने आरवी जैन को 3-2 से मात दी, जबकि भाग्यश्री दवे ने सान्वी सिंघल को 3-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

रोमांचक फाइनल में सोनी सुपर किंग्स को दी मात, ऑक्शन के जरिए चुनी गई थीं टीमें

ईसीसी माहेश्वरी ने जीता आईएमएलसी सीजन-1 का खिताब

भोपाल ■ निसं

माहेश्वरी मीत एवं सह-आयोजक बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में मध्य प्रदेश में पहली बार आयोजित इंदौर माहेश्वरी लेदर चैंपियनशिप (आईएमएलसी) सीजन-1 का भव्य समापन हुआ। खिताबी मुकाबले में ईसीसी माहेश्वरी ने एक बेहद रोमांचक और कशमकश भरे मैच में सोनी सुपर किंग्स को पराजित कर प्रथम सीजन की चमचमाती ट्रॉफी अपने नाम की। खेल भावना और समाज की एकजुटता का प्रतीक बनी इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता ने अंतिम दिन तक रोमांच का स्तर बनाए रखा।

आयोजन समिति के नीरज जाखेटिया, निशित बियानी, अम्बर माहेश्वरी, आदित्य माहेश्वरी और मंगलेश राठी ने बताया कि इस प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने के लिए आईपीएल की तर्ज पर ऑक्शन प्रक्रिया अपनाई गई थी। देशभर से आए 18 से 50 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों के लिए चार टीमों- ईसीसी माहेश्वरी, सोनी सुपर किंग्स, एमएनवाईसी मेवरिक्स और कलर चैंपियंस ने बोली लगाकर अपने स्कॉड तैयार किए थे। लेदर बॉल से खेले गए इस टूर्नामेंट में युवाओं के साथ-साथ अनुभवी खिलाड़ियों ने भी अपना दमखम दिखाया।

प्रखर गादीया बने मैन ऑफ द सीरीज : प्रतियोगिता के समापन अवसर पर व्यक्तिगत श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। भीलवाड़ा के प्रखर गादीया ने अपने शानदार खेल के बूते मैन ऑफ द सीरीज और बेस्ट बैट्समैन के दोनों प्रमुख खिताब अपने नाम किए। वहीं, नासिक के यश विशाल जाजू को उनकी घातक गेंदबाजी के लिए बेस्ट बॉलर चुना गया। फील्डिंग के क्षेत्र में चित्तौड़गढ़ के विकास दाढ़ ने अपनी फुर्ती से बेस्ट फील्डर का पुरस्कार हासिल किया।

व्यापार समाचार

एसबीआई करेगा अगुवाई, वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं

एआई के खतरों से निपटने के लिए साथ आएंगे बैंक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि एआई से जुड़े नए खतरों से निपटने के लिए भारतीय बैंकों को पारंपरिक सुरक्षा से आगे बढ़कर मजबूत तैयारी करनी होगी। सरकार ने सभी बैंकों को मिलकर काम करने को कहा है और इस प्रयास का नेतृत्व एसबीआई करेगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों के प्रमुखों के साथ एआई से जुड़े जोखिमों पर बैठक के बाद कहा कि भारत के बैंक तेजी से बढ़ते डिजिटलीकरण के कारण अब तक चुनौतियों और साइबर खतरों से निपटने में सक्षम रहे हैं, लेकिन अब उभरती नई तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए और अधिक मजबूत व बहुआयामी तैयारी की जरूरत है।

एन्थ्रोपिक के नए एआई मॉडल मिथोस को लेकर चिंता: उन्होंने कहा कि भारत के बैंकिंग तंत्र ने अब तक खुद को सुरक्षित और सक्षम साबित किया है, लेकिन मौजूदा हालात में पारंपरिक सुरक्षा उपाय पर्याप्त नहीं होंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि मिथोस नाम से सामने आ रही नई चुनौती को लेकर अभी बहुत अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस मामले में टेक कंपनियों, विभिन्न नियामक संस्थाओं और दुनिया भर की सरकारों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क में है, ताकि यह समझा जा सके कि यह चुनौती किस रूप में सामने आ सकती है और उससे निपटने के लिए कैसी तैयारी जरूरी होगी।

सीतारमण ने कहा कि सभी बैंकों को मिलकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। इस समन्वित प्रयास का नेतृत्व एसबीआई के चेयरमैन करेंगे। आने वाले हफ्तों में बैंकों के बीच लगातार बैठकों और विचार-विमर्श का दौर चलेगा।

वित्त मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब एक दिन पहले ही उन्होंने मिथोस एआई मॉडल से जुड़े अभूतपूर्व जोखिमों का जिक्र किया था। इससे पहले अप्रैल महीने की शुरुआत में वित्त मंत्री ने कहा था कि भारत की मजबूत राजकोषीय स्थिति और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के कारण भारतीय रिजर्व बैंक के पास नीतिगत फैसलों में अधिक लचीलापन है।

उन्होंने कहा था कि देश के पास पूंजीगत व्यय कार्यक्रम जारी रखने, जरूरत पड़ने पर ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश रखने और प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित सहायता देने की क्षमता मौजूद है। उन्होंने जोर देकर कहा था कि पिछले एक दशक की राजकोषीय अनुशासन नीति का लाभ अब देश को मिल रहा है।

एआई का इस्तेमाल चुनौतियों का सामना करने के लिए भी किया जा सकता है

उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह एआई से नई चुनौतियां पैदा हो रही हैं, उसी तरह एआई का इस्तेमाल इन चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भी किया जाएगा। सरकार और बैंकिंग क्षेत्र मिलकर ऐसी रणनीति तैयार करेंगे, जिससे डिजिटल बैंकिंग प्रणाली को और सुरक्षित बनाया जा सके।

नैशनल बर्न्स सेंटर ने बड़ी तादाद में लोगों से स्किन डोनेशन के लिए आगे आने और मरीज़ों की जान बचाने का किया आह्वान

मुंबई ■ एजेंसी

द नैशनल बर्न्स सेंटर ने हाल ही में देश भर में स्किन डोनेशन?की भारी कमी से जुड़े एक बेहद अहम पहलू को रेखांकित किया स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सेंटर सालों से स्किन डोनेशन को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रयासरत है । इस मसले पर नैशनल बर्न्स सेंटर के डायरेक्टर और प्लास्टिक सर्जन डॉ। सुनील केसवानी ने स्किन डोनेशन और मरीज़ों की आवश्यकताओं की पूर्ती में भारी अंतर को लेकर लोगों में जागरुकता की कमी का विशेष रूप से उल्लेख किया। ग़ौरतलब है कि मुम्बई में स्किन बैंकों को हर साल आवश्यकता के उलट महज़ 25% स्किन डोनेशन ही हासिल हो पाता है। बता दें कि आग में झुलस जाने वाले लगभग 70% मरीज़ों की उम्र 15 से 35 साल के बीच होती है। स्किन ट्रांसप्लांटेशन के अभाव के चलते मरीज़ों व उनके परिजनों पर इसके गहरे आर्थिक व भावुक परिणाम देख?ने को मिलते हैं। उचित समय पर की जाने वाले स्किन ग्राफ्टिंग और सही चिकित्सा के चलते आग में झुलस जाने वाले मरीज़ों को कई तरह की जटिलताओं से बचाया जा सकता है और उचित तरीके से उनका पुनर्वास भी संभव होता है। उल्लेखनीय है कि स्किन डोनेशन का फ़ैसला किसी शख्स की मौत के 6 घंटे के भीतर किया जाना चाहिए। स्किन डोनेट करने के लिए दाता का स्थानीय स्किन बैंक के तहत पंजीकृत होना भी? आवश्यक होता है।

इस बेहद अहम मुद्दे पर बात करते हुए नेशनल बर्न्स सेंटर के डायरेक्टर और प्लास्टिक सर्जन डॉ। सुनील केसवानी कहते हैं, 'संभवत: 10 में से 1 व्यक्ति को ही स्किन डोनेशन अथवा स्किन डोनेशन की उचित प्रक्रिया की जानकारी होती है। जागरुकता की इसी कमी के चलते हर साल आग से झुलस जाने वाले मरीज़ों में से न्यूनतम मरीज़ों को ही स्किन ट्रांसप्लांट का लाभ हासिल हो पाता है. यह एक बेहद गंभीर मसला है. इतना ही नहीं, मुम्बई में ही बर्न से जुड़े मामलों का आंकलन सही तरीके से नहीं किया जाता है जो इससे जुड़ी परेशानियों को और बढ़ा देता है ।एक संस्थान के तौर पर हम ऐसे बर्न सरवाइवरों की ज़िंदगियों को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं ।एक अर्से से हम साल-दर-साल लगभग 300 जागरुकता अभियानों का आयोजन करते आ रहे हैं ताकि बड़ी संख्या में लोग स्किन डोनेट करने के लिए प्रेरित हो सकें। हमें इस बात की पूरी उम्मीद है कि जागरुकता से जुड़े हमारे इन प्रयासों के चलते स्किन डोनेशन से संबंधी इस कमी को पूरा किया जा सकेगा और इसके बारे में लोगों की समझ में भी ख़ासा इज़ाफ़ा देखने को मिलेगा।'

बर्न सरवाइवर विराज ठाकुर कहते हैं, 'एक कार्यस्थल पर हुए हादसे में मैं 43% तक आग में झुलस गया था ।ऐसे में मेरे बचने की महज़ एक ही शर्त थी और वो थी सही समय पर मिलने वाला उपचार. स्किन डोनेशन के बाद हुई स्किन ग्राफ्टिंग के माध्यम से मेरी जान बच गयी थी ।इसके लिए मैं डॉ. सुनील केसवानी और नैशनल बर्न्स सेंटर में कार्यरत पूरी मेडिकल टीम का आभारी हूं।

प्लेसिंपल 3,150 करोड़ का आईपीओ लाने के लिए तैयार

नई दिल्ली। स्वीडन की गेमिंग कंपनी मॉडर्न टाइम्स ग्रुप एमटीजी एबी की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय अनुषंगी कंपनी प्लेसिंपल गेम्स लिमिटेड ने 3,150 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक के समक्ष मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दाखिल आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार यह आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। निर्गम का आकार लगभग 3,150 करोड़ रुपये तक हो सकता है। अंतिम निर्गम आकार अनुमत सीमा के भीतर बदल सकता है और इसे पेशकश खुलने के करीब तय किया जाएगा। एमटीजी ने कहा कि आईपीओ के बाद भी वह प्लेसिंपल में बहुलांश हिस्सेदारी बनाए रखने का इरादा रखती है। कंपनी ने कहा कि सार्वजनिक निर्गम लाने का समय बाद में तय किया जाएगा।

टेक दिग्गज मेटा करेगी बड़े पैमाने पर छंटनी

मुंबई। टेक दिग्गज मेटा एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी में है। कंपनी अपने ग्लोबल वर्कफोर्स का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा, यानी करीब 8,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी। यह फैसला 20 मई से लागू होगा और इसका मुख्य उद्देश्य कंपनी के खर्चों में कटौती करना तथा तेजी से बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेक्टर में अपने बड़े निवेश को संतुलित करना है। कंपनी की एक प्रमुख अधिकारी के एक आंतरिक मेमो से यह जानकारी मिली है। इन छंटनियों के अलावा मेटा ने लगभग 6,000 खाली पदों को भी न भरने का निर्णय लिया है, जिससे कुल मिलाकर कर्मचारियों की संख्या में और कमी आएगी।

प्याज फिर हुआ महंगा, 60 रुपये के पार पहुंची कीमतें

मुंबई। देशभर में प्याज की बढ़ती कीमतें एक बार फिर आम आदमी को रुलाने लगी हैं। कई शहरों और मंडियों में प्याज का भाव 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम के आंकड़े को पार कर गया है, जिससे रसोई का बजट बिगड़ना तय है। विशेषज्ञों का मानना है कि बेमौसम बारिश से फसलें बर्बाद होने, पुराने स्टॉक में कमी और बाजार में आपूर्ति के अंतर ने इस महंगाई को बढ़ावा दिया है। प्याज की कीमतों में इस अप्रत्याशित उछाल के पीछे मुख्य वजह प्रमुख उत्पादक राज्यों, खासकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि है। इन प्राकृतिक आपदाओं ने खेतों में तैयार खड़ी और कटी हुई फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया।

आनलाइन लेन-देन पर 0.5% से लेकर 1.5% तक कैशबैक

पीएनबी ने 18 करोड़ ग्राहकों को यूपीआई पर क्रेडिट सुविधा के विस्तार के लिए Ki2i से हाथ मिलाया

मुंबई ■ एजेंसी

भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने 18 करोड़ ग्राहकों को क्रेडिट-सक्षम यूपीआई भुगतान की सुविधा शुरू करने हेतु प्रमुख 'क्रेडिट ऑन यूपीआई' प्लेटफॉर्म 'कीवी' के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत, बैंक रुपे नेटवर्क पर पीएनबी कीवी क्रेडिट कार्ड' लॉन्च करेगा। यह कार्ड पूरी तरह से डिजिटल ऑनबोर्डिंग, निर्बाध यूपीआई एकीकरण और सभी लेनदेन पर 0.5% से 1.5% तक कैशबैक की विशेष सुविधा प्रदान करेगा, जिससे उपयोगकर्ताओं को क्रेडिट का सहज अनुभव मिलेगा।

इस साझेदारी पर अपने व्याख्यान में बैंक के, कार्यपालक निदेशक श्री बिभु प्रसाद महापात्र ने कहा कि 'भारत यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की वृद्धि के नेतृत्व में भारत डिजिटल भुगतान की ओर तेजी से बदलाव देख रहा है। हमारी 10,000 से अधिक शाखाओं-जिनमें से 60% अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हैं- के साथ हम कम सेवा वाले वर्गों तक औपचारिक ऋण (क्रेडिट) पहुँचाने के लिए मजबूत स्थिति में हैं। जैसे-जैसे रूपे क्रेडिट कार्ड की लोकप्रियता बढ़ रही है, कीवी के साथ हमारी साझेदारी वित्तीय लचीलापन बढ़ाने और रोजमर्रा की खर्च संबंधी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

कीवी के सह-संस्थापक सिद्धार्थ मेहता ने कहा कि 'यह साझेदारी ग्राहकों के क्रेडिट अनुभव के तरीके को बदलने की हमारी यात्रा में देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक के विश्वास को दर्शाती है। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित, लचीला और समावेशी क्रेडिट अनुभव प्रदान करना है जो देश भर में औपचारिक ऋण तक पहुंच को सशक्त करे।'

ईबीजी फाउंडेशन ने 'संभव है' पहल की शुरुआत की, पूरे भारत में कार्बन-न्यूट्रल गाँव बनाने का लक्ष्य

हैदराबाद ■ एजेंसी

इस कार्यक्रम की शुरुआत तेलंगाना के नलगोंडा जिले के चारला थांडा गाँव को अपनाने के साथ हुई है, जो एक स्केलेबल और समुदाय-आधारित परिवर्तन की नींव रखता है।

फाउंडेशन के व्यापक राष्ट्र-निर्माण एजेंडा के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में स्थापित 'संभव है' बिखरे हुए विकास प्रयासों से आगे बढ़कर एक एकीकृत, डेटा-आधारित ढांचे के माध्यम से कार्य करता है। इसका दीर्घकालिक लक्ष्य पूरे भारत में कार्बन-न्यूट्रल गाँव विकसित करना है। यह पहल पहले वर्ष में 10-20 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने और तीन वर्षों में पूर्ण कार्बन न्यूट्रैलिटी की दिशा में आगे बढ़ने का लक्ष्य रखती है।

यह पहल चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी-पहले वर्ष में 50 गाँवों के साथ 30 करोड़ के निवेश से शुरुआत होगी, दूसरे वर्ष में इसे 150 गाँवों तक विस्तारित किया जाएगा और आगे चलकर सरकारी संस्थानों के सहयोग से 750 गाँवों तक इसका विस्तार किया जाएगा। यह चरणबद्ध योजना 'संभव है' को देश के सबसे महत्वाकांक्षी ग्रामीण सतत विकास कार्यक्रमों में से एक बनाती है।

चारला थांडा में, फाउंडेशन ने जमीनी स्तर पर कार्य शुरू कर दिया है, जिसमें घर-घर डेटा मैपिंग के माध्यम से जलवायु और संसाधनों का व्यापक आधार तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने, भूजल पुनर्भरण प्रणाली को मजबूत करने, तथा संगठित कचरा पृथक्करण और कम्पोस्टिंग व्यवस्था लागू करने पर ध्यान दिया जाएगा। वृक्षारोपण अभियान और पुनर्योजी भूमि प्रबंधन से हरित आवरण बढ़ाया जाएगा, जबकि स्थानीय स्वयंसेवकों को इन प्रयासों को बनाए रखने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह गाँव 'माइनस वन विलेज' मॉडल का जीवंत उदाहरण बनेगा, जो अन्य क्षेत्रों में दोहराने के लिए एक खाका तैयार करेगा।

हिंदू कुश में तेजी से पिघल रही हिमालय की बर्फ, दुनिया के लिए खतरे की घंटी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

एक रिपोर्ट के अनुसार गंगा बेसिन 2026 में सामान्य से अधिक बर्फ वाले 12 क्षेत्रों में शामिल रहा जबकि हिंदू कुश हिमालय में बर्फ की मात्रा लगातार चौथे वर्ष सामान्य से कम रही और पिछले वर्ष के रिकार्ड-निम्न स्तर से भी नीचे चली गई। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

इंटरनेशनल सेंटर फार इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आइसीआइएमओडी) द्वारा जारी हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) संबंधी एक वार्षिक रिपोर्ट है। आइसीआइएमओडी एचकेएच क्षेत्र में मौसमी हिमपात पर नजर रखता है और नवंबर से मार्च तक शीतकालीन महीनों में बर्फ की स्थिति का आकलन करता है। वर्ष 2003 से 2026 के बीच, एचकेएच क्षेत्र में 14 ऐसी सर्दियां रहीं जब सामान्य से कम बर्फ जमी। यह एक आवर्ती पैटर्न के रूप में उभर रहा है, विशेष रूप से हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृति में वृद्धि नजर आई है।

एचकेएच संबंधी अद्यतन रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026, लगातार चौथा वर्ष है जब बर्फ की मात्रा सामान्य से कम है। बर्फ की मात्रा औसत से 27.8 फीसद कम होकर पिछले वर्ष के 23.6 फीसद के रिकार्ड निम्न स्तर से भी कम हो गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि लगातार हो रही यह गिरावट दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला में मौसमी बर्फ भंडार के कम होने का संकेत देती है, जिससे एचकेएच से निकलने वाले 12 प्रमुख नदी बेसिनों पर निर्भर लगभग दो अरब लोगों की जल सुरक्षा पर खतरा बढ़ गया है। इनमें से दस बेसिनों में अब बर्फ की मात्रा सामान्य से कम है।

आइसीआइएमओडी की रिपोर्ट के अनुसार, मेकांग, तारिम और तिब्बती पठार में पिछले 24 वर्षों की निगरानी में बर्फ का सबसे कम स्तर दर्ज किया गया है। केवल दो बेसिनों में बर्फ की मात्रा सामान्य से अधिक दर्ज की गई- गंगा में 16.3 फीसद और इरावदी में 21.8 फीसद, जिससे स्थानीय स्तर पर कुछ राहत मिली है, लेकिन यह क्षेत्रीय संकट को कम करने के लिए अपर्याप्त है। रिपोर्ट के अनुसार इसके विपरीत मेकांग नदी में 59.5 फीसद, तिब्बती पठार में 47.4 फीसद और सालवीन नदी में 41.8 फीसद की भारी कमी हुई है।

भारत ने खोज निकाला मीना का अपार खजाना, दौड़ा-दौड़ा आया चीन

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत और चीन को नरक बताने के विवादित बयान के बीच कूटनीतिक तौर पर एक अहम मुलाकात हुई है। भारत और चीन के दो शीर्ष अधिकारियों ने आपस में मुलाकात की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बारे में ट्वीट किया है। यह मुलाकात तब हुई है, जब नई दिल्ली में ब्रिक्स देशों की मीना क्षेत्र के प्रतिनिधियों के बीच चर्चा चल रही है। ब्रिक्स का मीना मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका क्षेत्र है, जिनके पास तेल और गैस का बहुमूल्य खजाना है। ये गतिविधियां तब बढ़ी हैं, जब अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच दुनिया की ऑयल और गैस सप्लाई में रुकावट आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, ब्रिक्स मीना की चर्चा के बीच चीन के मिडिल ईस्ट के लिए विशेष दूत झाई जुन ने भारत की सचिव (दक्षिण) डॉ. नीना मल्होत्रा से मुलाकात की है। दोनों पक्षों ने मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका क्षेत्र (मीना) में हालिया गतिविधियों पर रचनात्मक बातचीत की है। दोनों ने द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत किए जाने जाने पर भी चर्चा की। मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका क्षेत्र (मीना) में करीब 19 से लेकर 27 देश शामिल हैं। नंबरों में ये अंतर इस क्षेत्र की परिभाषा के चलते है। ये पूरा का पूरा क्षेत्र तेल और प्राकृतिक गैस से समृद्ध हैं। मीना दुनिया की तेल सप्लाई और आर्थिक स्थायित्व के लिए बेहद जरूरी इलाका है।

आईआरएस की बेटी का कत्ल मांसपेशियों में आंतरिक रक्तस्राव

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में हुई आईआरएस अधिकारी की बेटी की हत्या में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सकों ने बताया कि युवती के दोनों हाथों और पैरों पर गंभीर चोटों के निशान थे। इसके अलावा, उसकी नाक की हड्डी टूटी हुई पाई गई, जो किसी भारी वस्तु से प्रहार का संकेत देती है। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के एक पॉश इलाके में बुधवार को एक वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी की 22 वर्षीय बेटी की निर्मम हत्या के बाद, बृहस्पतिवार को हुए पोस्टमार्टम में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। प्रारंभिक जांच में युवती के शरीर पर कई खरोंच और घावों के निशान पाए गए थे, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने मामले की गंभीरता को और बढ़ा दिया है।

सेंट्रल कमांड की पोस्ट ने बढ़ाई हलचल, अमेरिका ने बढ़ाया दबाव

ईरान के साथ तनाव के बीच पश्चिम एशिया में यूएस ने उतारी बड़ी सेना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच अमेरिकी सेना ने एक पोस्ट कर पश्चिम एशिया में तैनात अपनी युद्ध क्षमता की जानकारी दी है। युद्धविराम की कोशिशों के बीच इसे अमेरिका द्वारा ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

ईरान के साथ जारी संघर्ष के चलते अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी बड़ी सेना उतारी हुई है। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर पश्चिम एशिया में तैनात अपने युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों समेत सैनिकों आदि की जानकारी साझा की है। इससे साफ है कि अमेरिका, ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति बना रहा है।

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर बताया है कि उनके तीन शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस लिंकन, यूएसएस फोर्ड और यूएसएस बुश पश्चिम एशिया में तैनात हैं। इनके साथ 200 लड़ाकू विमान, जिनमें एफ-18 और सुपर हॉर्नेट जैसे लड़ाकू विमान शामिल हैं। साथ ही अमेरिका ने 18जी ग्रोलर विमान भी तैनात किए हैं, जो इलेक्ट्रोनिक वारफेयर एयरक्राफ्ट हैं। साथ ही अमेरिका ने एफ-35सी लड़ाकू विमान, हॉकआई अर्ली वार्निंग विमान, सी हॉक हेलीकॉप्टर और डिलीवरी एयरक्राफ्ट सीएमवी ओस्प्रे शामिल हैं। साथ ही समुद्री ताकत की बात करें तो अमेरिकी सेना ने निमित्ज क्लास और फोर्ड क्लास के एयरक्राफ्ट कैरियर समेत 12 युद्धक जहाज भी तैनात किए हैं। इनके साथ अमेरिका के 15 हजार नाविक और मरीन्स भी तैनात हैं। साल 2003 के बाद पहली बार अमेरिकी सेना ने पश्चिम एशिया में तीन युद्धपोत तैनात किए हैं।

गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच फिलहाल युद्धविराम चल रहा है। हालांकि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की नाकाबंदी की हुई है। जिससे तनाव बना हुआ है और शांति वार्ता की कोशिशें जारी हैं। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची इस्लामाबाद दौरे पर हैं और अमेरिका और इस्राइल के साथ तनाव खत्म करने को लेकर चर्चा करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अराघची एक कूटनीतिक दल के साथ पाकिस्तान, ओमान और रूस का दौरा करेंगे। इन यात्राओं का उद्देश्य इन देशों के साथ आपसी मुद्दों पर बेहतर तालमेल बनाना और क्षेत्र में चल रही ताजा परिस्थितियों पर चर्चा करना है। अराघची अपनी इस यात्रा के दौरान अमेरिकी अधिकारियों से कोई बातचीत नहीं करेंगे।

ज्ञात विविधता में 35% की कमी सामने आई

दो साल के सर्वेक्षण में पश्चिमी घाट में ओडोनाटा की 143 प्रजातियां दर्ज

पुणे ■ एजेंसी

पश्चिमी घाट में किए गए एक महत्वपूर्ण दो साल के सर्वेक्षण में क्षेत्र की जैव विविधता को लेकर एक चिंताजनक तथ्य सामने आया है। शोधकर्ता इस क्षेत्र में ऐतिहासिक रूप से दर्ज ड्रैगनफ्लाई और डैमसेलफ्लाई की प्रजातियों में से केवल करीब 65% प्रजातियों को ही रिकॉर्ड कर सके, जो इन पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण कीड़ों की करीब 35% प्रजातियों की संभावित कमी की ओर इशारा करता है।

फरवरी 2021 से मार्च 2023 के बीच किए गए इस अध्ययन में पांच राज्यों के 144 स्थानों पर ओडोनाटा की आबादी का सर्वे किया गया। ओडोनाटा कीड़ों का एक वर्ग है जिसमें ड्रैगनफ्लाई और डैमसेलफ्लाई शामिल हैं। इस सर्वेक्षण की व्यापकता और विस्तार इसे पश्चिमी घाट में मीठे पानी की जैव विविधता का आकलन करने के लिए हाल के सबसे बड़े प्रयासों में से एक बनाती है। पश्चिमी घाट भारत के पश्चिमी तट पर स्थित 1,600 किलोमीटर लंबी पर्वत श्रृंखला है और इसे वैश्विक स्तर पर जैव विविधता का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है।

शोध दल में डॉ. पंकज कोपार्डे (सहायक प्रोफेसर, एमआईटी-डब्ल्यूपीयू पुणे), अराजुश पायरा (पीएचडी शोधार्थी, एमआईटी-डब्ल्यूपीयू पुणे), अमेय देशपांडे (एमएससी छात्र, एमआईटी-डब्ल्यूपीयू पुणे) और रेजी चंद्रन (सोसाइटी फॉर ओडोनेट स्टडीज, केरल) शामिल थे। इन्होंने नदियों, नालों, झरनों, तालाबों, झीलों और बांधों सहित मीठे पानी के विभिन्न आवासों में कठोर क्षेत्र कार्य किया। इनमें से कई स्थान दूरदराज और पहुंचने में कठिन थे, जहां भूभाग की चुनौतियों और आधिकारिक अनुमतियों की जरूरत ने काम को और मुश्किल बनाया।

अध्ययन के दौरान दल ने 143 अलग-अलग ओडोनेट प्रजातियां दर्ज कीं, जिनमें पश्चिमी घाट के लिए विशिष्ट 40 स्थानिक प्रजातियां शामिल हैं।

इंटर में गीतिका पंत और सुशीला संयुक्त रूप से टॉपर, दूसरे नंबर पर रहे आर्यन

नैनीताल ■ एजेंसी

उत्तराखंड बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन की ओर से कक्षा 10वीं और 12वीं के नतीजों की घोषणा कर दी गई है। इसी के साथ बोर्ड के टॉपर छात्र भी मिल गए। सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज बागेश्वर की गीतिका और ऊधमसिंह नगर के सुशीला मेहंदीरता 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर इंटरमीडिएट में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

संस्थागत परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 85.93 प्रतिशत तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 61.48त्न रहा। प्रदेश की इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 का परीक्षाफल वर्ष 2025 की तुलना में 1.88 प्रतिशत अधिक रहा है।

75 प्रतिशत से अधिक अंक उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 7,814 (7.77 प्रतिशत) रही है। प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 41,507 (41.32 प्रतिशत) रही है। द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 34,987 (34.82 प्रतिशत) रही है। तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 330 (0.32 प्रतिशत) रही है।प्रदेश की संयुक्त श्रेष्ठता सूची में 105 विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त किया। प्रदेश की संयुक्त श्रेष्ठता सूची में गीतिका पंत सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज बागेश्वर, सुशीला मेंहदीरता मंजूराम अमर इंटर कॉलेज भूरारानी, ऊधम सिंह नगर ने इंटरमीडिएट परीक्षा में 98.00त्न (490/500) अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। प्रदेश की संयुक्त श्रेष्ठता सूची में आर्यन सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज आवास विकास ऋषिकेश, देहरादून ने इण्टरमीडिएट परीक्षा में कुल 97.80त्न (489/500) अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।प्रदेश की संयुक्त श्रेष्ठता सूची में वंशिका सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मायापुर, हरिद्वार ने इंटरमीडिएट परीक्षा में 97.00 प्रतिशत (485/500) अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उत्तराखंड में इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में दूसरा स्थान आने वाले बेटे की सफलता की कहानी

बाइक स्पेयर पार्ट की दुकान पर काम करते हैं पिता

ऋषिकेश ■ एजेंसी

उत्तराखंड इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में पूरे प्रदेश की मेरिट सूची में दूसरा स्थान पाने वाले आर्यन की सफलता की कहानी हर उस बच्चे के लिए प्रेरणा हैं, जो सीमित संसाधनों में रहकर कुछ बड़ा करने का सपना देखते हैं।

उत्तराखंड इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के परिणामों में इस बार एक ऐसी प्रेरणादायक कहानी सामने आई है, जिसने साबित कर दिया कि मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से कोई भी सपना दूर नहीं होता। आवास विकास सरस्वती विद्या मंदिर के होनहार छात्र आर्यन ने 97.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे प्रदेश की मेरिट सूची में दूसरा स्थान हासिल किया है।

साधारण परिवार से आने वाले आर्यन की यह सफलता कई युवाओं के लिए मिसाल बन गई है। उनके पिता मनोज एक बाइक स्पेयर पार्ट की दुकान में काम करते हैं, जबकि माता विनीता ने हमेशा बेटे के सपनों को सहेजते हुए हर कदम पर उसका साथ दिया। छोटे भाई-बहनों के बीच जिम्मेदारियों के साथ पढ़ाई करना आसान नहीं था, लेकिन आर्यन ने कभी अपने लक्ष्य से नजर नहीं हटाई।

अपनी इस उपलब्धि का श्रेय आर्यन अपने माता-पिता, शिक्षकों और अपनी लगातार मेहनत को देते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में शिक्षकों का मार्गदर्शन और नियमित अभ्यास उनकी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी रहा। आर्यन के शब्दों में, च्यह सिर्फ मेरी नहीं, मेरे परिवार और शिक्षकों की भी जीत है।

आर्यन का सपना अब इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर एक सफल सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने का है। उनका मानना है कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो किसी भी व्यक्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य ने भी इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि आर्यन की सफलता पूरे विद्यालय के लिए प्रेरणा है और यह साबित करती है कि समर्पण और अनुशासन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। आर्यन की यह कहानी उन सभी छात्रों के लिए संदेश है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं।

20 वैज्ञानिकों की रहस्यमयी मौतें और गायब होने से बढ़ी आशंका

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका और चीन में टॉप डिफेंस वैज्ञानिकों की मौत और गायब होने की घटनाएं बढ़ रही हैं. ये वैज्ञानिक न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी, हाइपरसोनिक हथियार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस रिसर्च और एडवांस्ड वेपन्स जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्रों में काम कर रहे थे. अमेरिका में अब तक 11 घटनाएं सामने आई हैं, जबकि चीन में 9 से ज्यादा वैज्ञानिकों की मौत हो चुकी है. ये घटनाएं सामान्य लग रही हैं, लेकिन इनका पैटर्न देखकर साजिश की आशंका जताई जा रही है.

सबसे चर्चित मामला है मेजर जनरल विलियम नील मैककैसलैंड का. वे यूएफओ (अज्ञात उड़न तश्तरियों) की जांच कर चुके थे. एयर फोर्स रिसर्च लेबोरेटरी के कमांडर रह चुके हैं. फरवरी 2026 में वे घर से वॉक पर निकले और उसके बाद गायब हो गए. उन्होंने फोन, चश्मा और स्मार्टवॉच घर पर छोड़ दी थी, सिर्फ रिवॉल्वर साथ लिया था. अब तक उनकी कोई खोज नहीं हुई है.

इसी तरह मोनिका रेजा, द्ब्रस्न जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी की एयरोस्पेस इंजीनियर, कैलिफोर्निया के जंगल में दोस्तों के साथ ट्रेकिंग कर रही थीं. अचानक वे 30 फीट पीछे रह गईं और गायब हो गईं. बचाव टीम ने कई दिनों तक खोज की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला. वे रॉकेट्स में इस्तेमाल होने वाले सुपर-अलॉय मेटल पर काम कर रही थीं.

जोशुआ ले ब्लैंक, नासा के न्यूक्लियर प्रोपल्शन प्रोजेक्ट पर काम कर रहे 29 वर्षीय इंजीनियर, अपने टेस्ला कार में जलकर मर गए. परिवार का कहना है कि वे काम पर नहीं पहुंचे और फोन-वॉलेट घर पर छोड़ गए थे।

इसके अलावा लॉस एलामोस न्यूक्लियर लैब की एडमिनिस्ट्रेटिव असिस्टेंट मेलिसा कैसियास और रिटायर्ड वैज्ञानिक एंथनी चावेज भी गायब हो गए. कई मामलों में वैज्ञानिक घर से पैदल निकले और फिर कभी वापस नहीं लौटे.

चीन में भी इसी तरह के मामलों की संख्या बढ़ रही है. कम से कम 9 वैज्ञानिकों की मौत पिछले कुछ वर्षों में हुई है. ज्यादातर मौतें कार दुर्घटना, अचानक बीमारी या अज्ञात कारणों से बताई जा रही हैं.

सबसे चर्चित मामला फेंग यांगहे का है. 38 वर्षीय प्रोफेसर नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी में काम करते थे. वे ताइवान से जुड़े द्व सिमुलेशन मॉडल पर काम कर रहे थे. जुलाई 2023 में रात 2ञ्35 बजे बीजिंग में कार दुर्घटना में उनकी मौत हो गई. सरकारी रिपोर्ट में उन्हें %सरकारी ड्यूटी करते हुए बलिदान% बताया गया, जो आमतौर पर सैनिकों के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द है.

अमेरिका में रिपब्लिकन सांसद एरिक बर्लिसन ने कहा कि चीन, रूस और ईरान के साथ न्यूक्लियर, स्पेस और एडवांस्ड वेपन्स की होड़ चल रही है, लेकिन अमेरिका के टॉप वैज्ञानिक गायब हो रहे हैं. उन्होंने इसे फॉरेन ऑपरेशन की आशंका जताई है.

ये वैज्ञानिक अमेरिका और चीन की सैन्य शक्ति की रीढ़ हैं. हाइपरसोनिक मिसाइलें, मिलिट्री द्व, न्यूक्लियर प्रोपल्शन और स्पेस डिफेंस भविष्य के युद्ध तय करेंगे. अगर इन क्षेत्रों के विशेषज्ञ लगातार मर रहे हैं या गायब हो रहे हैं, तो दोनों देशों की रक्षा क्षमता प्रभावित हो सकती है.

अभी तक कोई देश दूसरे पर आरोप नहीं लगा रहा है, लेकिन दोनों तरफ जांच तेज हो गई है. दुनिया अब देख रही है कि ये घटनाएं सिर्फ संयोग हैं या वाकई कोई सीक्रेट खेल चल रहा है.

आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द किया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने ये फैसला ऑडिट रिपोर्ट में बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत लगातार नियमों की अनदेखी करने की वजह से लिया है। बताया जा रहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के ये कार्रवाई डेटा सुरक्षा उल्लंघनों और जमाकर्ताओं के हितों के प्रतिकूल काम करने के कारण भी की गई है। आरबीआई के इस फैसले के बाद पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को तत्काल प्रभाव से बैंकिंग कारोबार करने से रोक दिया गया है यानी अब ये किसी भी तरह का बैंकिंग परिचालन नहीं कर सकता है। आरबीआई के इस आदेश के बाद पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को बैंकिंग कारोबार

करने से पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। ग्राहकों को अब अपने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड खाते या वॉलेट में पैसे जमा करने या जोड़ने की अनुमति नहीं होगी। आरबीआई ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक के पास वाइंडिंग-अप प्रक्रिया के दौरान अपनी देनदारियों का भुगतान करने के लिए पर्याप्त फंड है। आपको बता दें कि आरबीआई का ये फ़ैसला पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बंद करने के लिए चल रही लंबी रेगुलेटरी कार्रवाई की प्रक्रिया में आरबीआई का आख़िरी कदम है।

दतिया में उपचुनाव की सुगबुगाहट

नरोत्तम के सामने कांग्रेस प्रत्याशी पर मनन

भोपाल ■ जगत शर्मा

प्रदेश में हाल फिलहाल राजनीतिक सरगर्मियां अपने पूरे शबाब पर हैं,जहां एक तरफ निगम मंडल आयोग प्राधिकरणों में नियुक्तियों का दौर शुरू हो चुका है। संगठन के विभिन्न मोर्चा प्रकोष्ठों में नियुक्तियां होना शुरू हो चुकी है। वहीं दूसरी तरफ जो मुद्दा सबसे अधिक चर्चा का कारण बना हुआ है, वह है दतिया विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव होगा या नहीं। गौरतलब है कि पिछले दिनों कांग्रेस के निवर्तमान विधायक राजेंद्र भारती को एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा एक बैंक धोखाधड़ी के मामले में 3 साल की सजा सुनाई गई जिसके बाद उनकी विधायकी रद्द कर दी गई। अब इसी मामले की सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट में जारी है। सूत्रों की माने तो 28 अप्रैल को अगली सुनवाई के साथ ही यह तय हो सकता है कि दतिया विधानसभा का उपचुनाव होगा या नहीं। फिलहाल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही उपचुनाव की तैयारी कर रही है।

दामोदर यादव लड़ेंगे दतिया से चुनाव

यदि दतिया विधानसभा का उपचुनाव हुआ तो आजाद समाज पार्टी भीम आर्मी की ओर से दामोदर यादव पहले ही चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं, तथा इसकी तैयारी के तौर पर वह सवर्ण समाज के नेताओं और धार्मिक देवी देवताओं को भला बुरा कह कर अपने चुनावी अभियान का आगाज भी कर चुके हैं। अब देखना यह होगा कि 28 अप्रैल को दिल्ली हाई कोर्ट सुनवाई के बाद क्या फैसला लेता है, तथा दतिया विधानसभा को अब कितने दिनों बाद उपचुनाव का सामना करना पड़ सकता है।

नरोत्तम मिश्रा हुए सक्रिय, कांग्रेस भी तैयारी में जुटी

जहां एक तरफ कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता शून्य होने के बाद पूर्व गृहमंत्री और दतिया से तीन बार विधायक रहे डॉ नरोत्तम मिश्रा ने दतिया विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव की तैयारी के मद्देनजर अपनी सरगर्मियां तेज कर दी हैं, तथा लगातार दतिया विधानसभा के तमाम क्षेत्रों में जनसंपर्क के तौर पर प्राथमिक रूप से मिलना मिलाना शुरू कर दिया है ,तो वहीं दूसरी तरफ बाहरी तौर पर जरूर कांग्रेसी राजेन्द्र भारती की सजा और विधायकी के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार करने की बात करते हैं,लेकिन अंदरूनी तौर पर कांग्रेस ने भी उपचुनाव की तैयारी शुरू कर दी हैं, तथा कुछ नेताओं के नाम भी कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर सामने आने शुरू हो गए हैं।

नायक, अनुज या कुंअर साहब के नाम चर्चा में

राजेंद्र भारती की विधायक की जाने के बाद उपचुनाव की चर्चाओं के बीच कांग्रेस की तरफ से जो तीन ,चार नाम कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर कांग्रेसी नेताओं के द्वारा ही चर्चा में लाए गए हैं ,उनमें कभी भाजपा के जमीनी स्तर के नेता रहे अवधेश नायक ,जिन्हें 2023 में भी कांग्रेस का टिकट मिल चुका था ,लेकिन पार्टी के अंदर ही उनका राजेंद्र भारती गुट ने जबरदस्त विरोध किया ,पुतले जलाए,इसके बाद उनका टिकट काटकर राजेंद्र भारती को दे दिया गया था, अब फिर उनका नाम सुर्खियों में है। दूसरा दतिया से दो बार विधायक रहे राज परिवार के सदस्य कुंवर घनश्याम सिंह का नाम भी सुर्खियों में है । हालांकि वह 2018 में सेवड़ा से विधायक रह चुके हैं , उन्होंने अपना विधानसभा क्षेत्र सेवड़ा ही बनाया हुआ है ,लेकिन उनका नाम अभी दतिया विधानसभा क्षेत्र में यदि उपचुनाव होते हैं, तो कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में मजबूती से लिया जा रहा है। तीसरा नाम पूर्व विधायक राजेंद्र भारती के सुपुत्र अनुज भारती का है । राजेंद्र भारती अपने बेटे को टिकट दिलाने का भी भरपूर प्रयास कर सकते हैं ,जिसे देखते हुए उनके समर्थक उनका नाम बड़ी दमदारी के साथ सामने ला रहे हैं।

MP में 'सूर्य देव' का तांडव आसमान से बरस रही आग

राजस्थान की गर्म हवाओं ने भोपाल में डेरा डाला

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है और कई जिलों में तापमान तेजी से ऊपर जा रहा है। मौसम विभाग के ताजा बुलेटिन के अनुसार प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम शुष्क बना हुआ है और तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ, लेकिन कई संभागों में यह सामान्य से ऊपर बना हुआ है, जिससे लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

एमपी में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। सुबह से ही सूरज के तेवर तीखे होने लगते हैं। दोपहर में तपिश बढ़ जाती है। बावजूद भोपाल समेत कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित नहीं की गई है।

यहां टाइमिंग जरूर घटाई गई, लेकिन बच्चे दोपहर में ही घर पहुंच पाते हैं। ढ्ढरूष्ठ (मौसम केंद्र)

भोपाल, ने शनिवार को ग्वालियर, उज्जैन समेत 20 से ज्यादा जिलों में लू की चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग ने रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। इन इलाकों में तापमान बढ़ने के कारण लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। विभाग का कहना है कि दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं का प्रभाव अधिक रहेगा, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। जारी आंकड़ों के अनुसार नर्मदापुरम में अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे अधिक है। वहीं पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल, खजुराहो, नौगांव और सीधी जैसे शहरों में भी तापमान 42 डिग्री के आसपास बना हुआ है, जिससे गर्मी का असर और अधिक महसूस किया जा रहा है।

आने वाले दिनों में और बढ़ेगी गर्मी

मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद अगले चार दिनों तक तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा, लेकिन गर्मी का असर बना रहेगा। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है, जिससे गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर सकती हैं।

लोगों को दी गई सावधानी बरतने की सलाह

मौसम विभाग ने लोगों को दिन के सबसे गर्म समय यानी दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच बाहर न निकलने की सलाह दी है। साथ ही अधिक पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने और धूप से बचने के उपाय अपनाने को कहा गया है। किसानों और पशुपालकों को भी विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है ताकि फसलों और पशुओं को गर्मी से बचाया जा सके।

अप्रैल के आखिरी में बारिश के आसार

मौसम विभाग की मानें तो अप्रैल के आखिरी में बारिश के भी आसार हैं। मौसम विभाग ने 27 और 28 अप्रैल को ग्वालियर, चंबल, जबलपुर और सागर संभाग के जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने का अनुमान जताया है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से ऐसा होगा।

भोपाल जिला बार एसोसिएशन चुनाव

मुख्य चुनाव अधिकारी बदलने को लेकर झगड़ा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल जिला बार एसोसिएशन के चुनाव की तैयारियों को लेकर शुक्रवार, 24 अप्रैल को कोर्ट कैंपस में जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान वकीलों में खींचतान और झूमाझटकी भी हुई। विवाद की वजह चुने गए मुख्य चुनाव अधिकारी को अचानक से बदलना बताया जा रहा है।

इस मामले में एक पक्ष का आरोप है कि जब कार्यकारिणी ने बहुमत (19 वोटों) से जगमोहन शर्मा को मुख्य चुनाव अधिकारी चुना लिया था तो फिर अचानक से इंद्रजीत राजपूत को मुख्य चुनाव अधिकारी क्यों बना दिया? बताते हैं इंद्रजीत को अध्यक्ष दीपक खरे की सहमति मुख्य चुनाव अधिकारी बनाया गया है।

मुख्य चुनाव अधिकारी को अचानक बदले जाने को लेकर वकीलों ने कोर्ट में पहले गुरुवार शाम को हंगामा किया था। इस दौरान शुक्रवार, 24 अप्रैल को मुख्य चुनाव अधिकारी चुनने के संबंध में आमसभा बुलाने पर सहमति बनी थी। लेकिन जब आमसभा शुरू हुई तो उसमें हंगामा होने लगा। एक पक्ष के वकीलों ने आमसभा का विरोध किया। उनका कहना था कि कार्यकारिणी का कार्यकाल 3 महीने पहले पूरा हो चुका है। तो वह कैसे संविधानिक निर्णय ले रही है। हालांकि, दो दिन तक चले लंबे विरोध के बाद आमसभा को निरस्त कर दिया गया।

आमसभा में अपना-अपना पक्ष रखने के दौरान वकीलों में ही बहस शुरू हो गई। विरोधी पक्ष ने कहा, जगमोहन शर्मा को बहुमत के साथ मुख्य चुनाव अधिकारी चुना गया था। ऐसे में अचानक से उनको हटाया कैसे जा सकता है? इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद की स्थिति बन गई। हालात यहां तक बिगड़ गए कि वकीलों में झूमाझटकी तक की नौबत आ गई। विवाद बढ़ता देख मौके पर तैनात पुलिस बल ने स्थिति को कंट्रोल किया।

क्या कहता है नियम ?

एक सीनियर एडवोकेट ने बताया कि जब कार्यकारिणी पदभार संभालती है, तो कार्यकाल समाप्त होने के बाद तीन महीने के भीतर या तो चुनाव कराना अनिवार्य होता है, या मुख्य चुनाव अधिकारी की नियुक्ति कर चुनाव प्रक्रिया शुरू करनी होती है, वरना मौजूदा पदाधिकारियों को पदभार छोड़ना होता है। यहां मौजूदा कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त होने के तीन महीने बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया और न ही किसी प्रकार की चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई।

भोपाल। 28 अप्रैल को जंबूरी मैदान में क्रांतिवीर राजाओं एवं जनजाति योद्धाओं के स्मरण का महापर्व शौर्य यात्रा आयोजित की जाएगी। अखिल भारती लोधा लोधी क्षत्रियओं महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह लोधी एवं मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में बताया की इतिहास की अनदेखी का शिकार उन क्रांतिवीर राजाओं एवं जनजाति योद्धाओं का स्मरण पर्व है ऐसे हेतु अपने निवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय युवा कार्यकारी अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह लोधी द्वारा विस्तृत जानकारी दी।

साइकिल खड़ी करने पर बवाल, ऐशबाग में पड़ोसियों के बीच चले चाकू

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र में गुरुवार रात साइकिल खड़ी करने की बात को लेकर पड़ोसियों के बीच चाकूबाजी हो गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे से मारपीट की और बात बढ़ने पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में दो भाईयों समेत पांच लोग घायल हो गए हैं। ऐशबाग पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार अहमद अली कालोनी में आसिफ खान और आरिफ खान दोनों भाई अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके पड़ोस में मोहम्मद अली और उनके बेटे फैज व सैफ भी रहकर प्राईवेट काम करते हैं।

हमीदिया अस्पताल में ट्रांसफार्मर तक उठा ले गए चोर

18 घंटे तक किसी को भनक नहीं, सुरक्षा पर सवाल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के हमीदिया अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। कड़ी निगरानी वाले परिसर में चोरों ने रेडियोडायग्नोसिस विभाग को निशाना बनाते हुए भारी-भरकम मशीनों के कीमती हिस्से तक उड़ा दिए। हैरानी की बात यह है कि करीब 18 घंटे तक इस पूरी घटना की किसी को भनक तक नहीं लगी।

चोरों ने अस्पताल के रेडियोडायग्नोसिस विभाग में सेंध लगाई, जहां एक्स-रे मशीनों और अन्य उपकरणों से जुड़े महंगे और जरूरी पुर्जे रखे थे। यहां से करीब 70-80 किलो का कंट्रोल पैनल और लगभग एक क्विंटल वजनी ट्रांसफॉर्मर चोरी कर लिया गया। इसके अलावा कॉपर वायरिंग, पंखे, एसी का आउटडोर यूनिट और वेटिंग चेयर भी गायब मिले। जानकारी के मुताबिक, जिस कमरे में चोरी हुई वहां बिजली सप्लाई चालू थी और मशीनें हाई वोल्टेज पर काम करती हैं। चोरों ने पहले बिजली की सप्लाई बंद की, फिर आराम से मशीनों के हिस्से अलग किए। इससे साफ है कि वारदात को अंजाम देने वाले लोगों को तकनीकी जानकारी थी और उन्होंने पूरी प्लानिंग के साथ काम किया। 15 अप्रैल की दोपहर कर्मचारियों ने काम खत्म कर कक्ष नंबर 8 और 9 को लॉक किया था। उस समय सभी उपकरण सुरक्षित थे। अगले दिन 16 अप्रैल की सुबह जब रेडियोग्राफर इंजीनियर के साथ पहुंचे, तो मेन शटर का ताला टूटा मिला और अंदर से कीमती सामान गायब था।

संत नगर विसर्जन घाट का हो विस्तार: भोजपुरी समाज

भोपाल ■ अमृत दर्शन

आज भोजपुरी साहित्य संस्था के अध्यक्ष एवं कालिदास संस्कृत अकादमी के उपनिदेशक दिनेश कुमार मिश्रा एवं भोजपुरी फैंसी समिति अध्यक्ष लक्ष्मण गिरि गंगासागर यादव नंदकिशोर डाबी ने संत नगर विसर्जन घाट का छठ पूजा को लेकर घाट के विस्तारीकरण के संबंध में निरीक्षण किया क्योंकि छठ पूजा करते समय घाट की जगह छोटी पड़ती है और जनसंख्या हर साल बढ़ रही है इस कारण घाट का विस्तार करना जरूरी हो गया है.इसी संदर्भ में नगर निगम द्वारा बजट में प्रावधान भी विस्तारीकरण को लेकर किया गया हैद्य भोपाल शहर में छठ घाट का विस्तार करना जरूरी हो गया है।

भोजपुरी समाज के लोगों को पूजा में किसी प्रकार की कोई कठिनाई का सामना न करना पड़े द्य इसलिए महापौर परिषद में प्रस्ताव पास कर विस्तारीकरण की योजना तय की गई इस योजना को स्वीकृत करने के लिए हम भोजपुरी समाज की तरफ से माननीय महापौर एवं परिषद के प्रति आभार व्यक्त करते हैं द्य शीघ्र ही भोजपुरी समाज के लोग क्षेत्रीय विधायक रामेश्वर शर्मा को भी ज्ञापन सौंपा जायेगा ताकि शीघ्र कार्य कराया जा सके महापौर एवं परिषद सदस्य (जल कार्य समिति) के सहयोग से छठ पूजा घाट विस्तारीकरण का कार्य कराया जाएगा।

जानकी नवमी आज, माता सीता की उपासना से होगी सर्वसिद्धि

भोपाल ■ जगत शर्मा

आज श्री जानकी नवमी है, मां जानकी का प्रकटोत्सव । बिहार और नेपाल के मिथिलांचल में माता सीता का जन्म महाराज जनक के यहां हुआ था। माता सीता को शक्ति स्वरूपा और माता लक्ष्मी का अवतार माना जाता है इस लिहाज से आज उनकी विधि विधान से पूजा उपासना करने पर सर्वसिद्धि प्राप्त होती है।

मां जानकी नवमी (सीता नवमी) पर माता सीता और भगवान राम की पूजा सौभाग्य और वैवाहिक सुख देने वाली मानी जाती है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को यह पर्व मनाया जाता है।

जानकी नवमी पूजन विधि

पूजा के लिए आप इन चरणों का पालन कर सकते हैं:

1. प्रातः काल की तैयारी

स्नान और संकल्प: सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और स्वच्छ (लाल या पीले) वस्त्र पहनें।

व्रत संकल्प: हाथ में जल लेकर भगवान श्री राम तथा माता जानकी का ध्यान करें,व्रत का संकल्प लें।

2. पूजा स्थल की स्थापना

चौकी: एक लकड़ी की चौकी की व्यवस्था पूजन स्थल पर करें उसके नीचे गोबर से लीपकर कनक से चौक पूरे, फिर चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं।

प्रतिमा स्थापना: चौकी पर भगवान राम और माता सीता (राम दरबार) की प्रतिमा स्थापित करें।

कलश स्थापना: चौकी के पास ही तांबे या मिट्टी का जल से भरा हुआ कलश स्थापित करना शुभ माना जाता है, इसलिए कलश स्थापित करें।

3. अभिषेक और श्रृंगार

स्नान: प्रतिमाओं को गंगाजल या पंचामृत से प्रतीकात्मक स्नान कराएं।

श्रृंगार: माता सीता को सिंदूर, लाल फूल और श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें।

वस्त्र: माता को लाल और प्रभु श्री राम को पीले वस्त्र पहनाएं।

4. मुख्य पूजन क्रियाएं

धूप-दीप: शुद्ध घी का दीपक और अगरबत्ती जलाएं।

तिलक: राम-जानकी को रोली, अक्षत और चंदन का तिलक लगाएं।

भोग: माता को साबूदाने की खीर, फल या मिठाई का भोग लगाएं।

मंत्र जाप: 'ओम श्री सीतायै नम:' या 'श्री राम जय राम जय जय राम' मंत्र का जाप करें।

5. कथा और आरती

कथा: सीता नवमी की व्रत कथा सुनें या पढ़ें।

आरती: पूजा के अंत में माता सीता और श्री राम की आरती करें।

मुख्य सुझाव

रामचरितमानस पाठ: इस दिन बाल कांड या सुंदरकांड का पाठ करना विशेष फलदायी होता है।

दान-पुण्य: पूजा के बाद कन्याओं या जरूरतमंदों को भोजन और दान दें।

सुहाग सामग्री: विवाहित महिलाएं माता सीता को सुहाग की सामग्री चढ़ाकर उसे स्वयं प्रसाद रूप में ग्रहण कर सकती हैं।

रात 12 बजे तक पब-बार बंद होंगे

- **आदेश का उल्लंघन करने पर लाइसेंस निरस्त होंगे**
- **पुलिस कमिश्नर ने दिए निर्देश**

भोपाल। पब और बार संचालन को लेकर पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। शुक्रवार को पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में सभी पब और बार संचालकों व मैनेजरों की बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश जारी किए। शराब परोसने का समय रात 11:30 बजे तक निर्धारित किया गया है, जबकि रात 12:00 बजे तक सभी पब और बार पूरी तरह बंद करना अनिवार्य होगा। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने बताया कि इंदौर की तर्ज पर जूम एप के माध्यम से एक मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया जा रहा है। इसमें एक ग्रुप बनाकर सभी पब और बार संचालकों को जोड़ा जाएगा, जहां उन्हें रोज रात 12 बजे तक बंद होने की फोटो पुलिस को भेजनी होगी। इससे समय-समय पर निर्देश दिए जा सकेंगे और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। पूरे सिस्टम की मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जाएगी। बैठक में कमिश्नर ने शासन के नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। निर्धारित समय के बाद पब और बार खुले पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित । फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।